■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 275 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 06-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 शुभेंदु ने 'विकसित और सुरक्षित' बंगाल बनाने का संकल्प लिया
6 बंगाल की आंधी के बाद पंजाब की बारी?
7 कुनिका सदानंद ने बताई टीवी इंडस्ट्री की सच्चाई

चुनावी खबर

इसरो के आईएसआईटीई परिसर के ऊपर मंडराते दिखा ड्रोन, प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बेंगलूरु में इसरो के आईएसआईटीई परिसर के ऊपर कथित तौर पर एक ड्रोन को उड़ता हुआ देखे जाने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यह एक ड्रोन निषेध क्षेत्र है। पुलिस ने बताया कि यह घटना दो मई को सुबह करीब आठ बजकर 16 मिनट पर घटी। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक उप निरीक्षक की शिकायत के बाद जांच शुरू की गई, जिन्होंने आईएसआईटीई (सैटेलाइट इंटीग्रेशन एंड टेस्ट एस्टैब्लिशमेंट) परिसर के ऊपर लगभग 80 से 100 फुट की ऊंचाई पर 10 से 12 सेकंड तक एक अज्ञात ड्रोन को उड़ते हुए देखा था। प्राथमिकी के अनुसार, इसरो आईएसआईटीई परिसर एक अत्यंत संवेदनशील और प्रतिबंधित क्षेत्र है, जिसे ड्रोन निषेध क्षेत्र घोषित किया गया है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनधिकृत हवाई गतिविधि सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

चीन में पटाखा कारखाने में विस्फोट से 26 लोगों की मौत, 61 घायल

बीजिंग/भाषा। चीन के हुनान प्रांत के लियुयांग शहर में पटाखा कारखाने में विस्फोट में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और 61 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह विस्फोट सोमवार दोपहर को हुनान प्रांत की राजधानी चांगशा के शहर लियुयांग में 'हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिसप्ले कंपनी' के कारखाने में हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कई किलोमीटर तक तबाही का मंजर दिखा।

पाकिस्तान में एक प्रमुख धर्मगुरु की गोली मारकर हत्या

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को लक्षित हमले में एक प्रमुख धर्मगुरु की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने चारसद्दा जिले के उस्मानज़ई इलाके में शेख-उल-हदीस मौलाना मोहम्मद इदरीस के वाहन पर घात लगाकर हमला किया जिसमें उनके साथ मौजूद दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इदरीस को पाकिस्तान के वरिष्ठ और सम्मानित धार्मिक विद्वानों में गिना जाता था। इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी भी समूह ने नहीं ली है। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने धर्मगुरु पर उस समय गोली चलाई, जब वह दारूल उलूम उत्मान जई में दर्स-ए-हदीस (धार्मिक प्रवचन) देने जा रहे थे।

सूर्यास्त 06-05-2026	सूर्योदय 07-05-2026
6:35 बजे	5:56 बजे

BSE	NSE
77,017.79	24,032.80
(-251.61)	(-86.50)

सोना	चांदी
15,361 रु.	249,907 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी परचम

ममता की क्षमता क्षीण हुई,
तृण पुन: मूल के संग मिले।
केरल से बिछड़ा वाम पंथ,
उम्मीदों के अब हाथ हिले।
विजयन के तगड़े घोड़ों ने,
तामिल में कर दिए ध्वस्त किले।
पांडीचेरी, आसाम सहित,
बंगाल ताल में कमल खिले।

स्टालिन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया

टीवीके प्रमुख विजय ने तमिलनाडु में सरकार बनाने का भरोसा जताया

विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को सूचित करते हुए सरकार बनाने का दावा पेश किया।

- टीवीके के पास सरकार बनाने के लिए जरूरी साधारण बहुमत से 10 सीटें कम हैं। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में उसके पास केवल 108 सदस्य हैं।
- कांग्रेस के एक सूत्र ने बताया कि टीवीके ने सरकार के गठन में कांग्रेस का समर्थन मांगने के लिए संपर्क किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से बेदखल करने वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की चुनावी जीत के एक दिन बाद मंगलवार को एम.के. स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं टीवीके प्रमुख विजय ने बहुमत की कमी के बावजूद सरकार बनाने का भरोसा जताया। स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी विपक्ष में रहते हुए भी प्रभावी ढंग से काम करेगी।

टीवीके के पास सरकार बनाने के लिए जरूरी साधारण बहुमत से 10 सीटें कम हैं। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में उसके पास केवल 108 सदस्य हैं।

इस बीच, पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि टीवीके ने अपने विधायकों के लिए पास के मामल्लापुरम स्थित एक रिसॉर्ट में ठहरने की व्यवस्था की है ताकि वे सात मई को होने वाले विजय के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकें।

एक सूत्र ने बताया कि मंगलवार का दिन नवगठित टीवीके के संस्थापक विजय के लिए काफी व्यस्त रहा। उन्होंने पार्टी मुख्यालय का दौरा किया और सरकार के गठन का आश्वासन दिया। उनका यह आश्वासन त्रिशंकु विधानसभा जैसी स्थिति और द्रमुक के सहयोगी थोल थिरुमावलवन (वीसीके प्रमुख) के इस दावे के बाद आया है कि 2026 के विधानसभा चुनाव परिणाम ने राज्य में गठबंधन सरकार के लिए रास्ता साफ कर दिया है। द्रमुक के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन के प्रमुख घटक कांग्रेस के एक सूत्र ने बताया कि टीवीके ने सरकार के गठन में कांग्रेस का समर्थन मांगने के लिए संपर्क किया है, लेकिन इस बारे में कोई फैसला कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व करेगा।

तेजी से हो रहे घटनाक्रमों के बीच, विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को सूचित करते हुए सरकार बनाने का दावा पेश किया। पार्टी ने कहा कि उसे 108 सीटें हासिल की हैं और सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते उसे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए।

इस्तीफा नहीं दूंगी : ममता

कहा, विधानसभा चुनाव परिणाम जनता का जनादेश नहीं बल्कि साजिश

- बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लगभग 100 सीट पर जनादेश को 'लूट' लिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार किया और आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का परिणाम जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश है। साथ ही उन्होंने सड़कों पर उतरकर लड़ाई लड़ने और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि उसकी लड़ाई निर्वाचन आयोग से थी, जिसने ''भाजपा के लिए काम किया।''

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के एक दिन बाद बनर्जी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हमारी हार जनता के जनादेश से नहीं, बल्कि एक साजिश के तहत हुई है। मैं हारी नहीं हूं, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी।''

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने कहा, ''मुझे इस्तीफा क्यों देना चाहिए? हम हारे नहीं हैं। मतों की लूट हुई है। इस्तीफे का सवाल ही कहां उठता है?''

निवर्तमान मुख्यमंत्री बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लगभग 100 सीट पर जनादेश को 'लूट' लिया गया और उनकी पार्टी का मनोबल गिराने के लिए जानबूझकर मतगणना धीमी की गई। उन्होंने कहा, ''हम भाजपा से नहीं लड़ रहे थे; हम निर्वाचन आयोग से लड़ रहे थे जो भाजपा के लिए काम कर रहा था। मैंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा। इतिहास में एक काला अध्याय जुड़ गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त खलनायक बन गए हैं।''

भाजपा ने 207 सीट जीतकर 294 सदस्यीय विधानसभा में निर्णायक बहुमत हासिल किया और राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियां और अधिकारी मिलीभगत से काम कर रहे थे और दावा किया कि छापेमारी, तबादले और पक्षपात ने हालात ऐसे बना दिए कि मुकाबला निष्पक्ष ना रहे और संस्थानों की निष्पक्षता पर सवाल उठाया।

सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से

सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। धीमी और गेंदबाजों की मददगार पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी के बूते चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 15 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हराया।

दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट पर 155 रन पर रोकने के बाद सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा।

चेन्नई सुपरकिंग्स की यह 10 मैचों में पांचवीं जीत है और टीम तालिका में छठे स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स इतने ही मैचों में छठी हार के बाद आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

जिस पिच पर अन्य बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे, सैमसन ने वहां धाराप्रवाह बल्लेबाजी करते हुए सात चौके और छह छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए युवा कार्तिक शर्मा (नाबाद 41) के साथ 66 गेंदों में 114 रन की अटूट साझेदारी की।

पिछले मैच में नाबाद अर्धशतक जड़ने वाले कार्तिक ने 31 गेंदों की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के लगा कर समझदारी से बल्लेबाजी की।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान अक्षर पटेल और लुंगी एनगिडी ने एक-एक सफलता हासिल की।

इससे पहले ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) के बीच छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने खराब शुरुआत से उबरते हुए सात विकेट पर 155 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स ने 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन स्टब्स और रिजवी की साझेदारी के बाद आशुतोष शर्मा की पांच गेंदों में दो छक्के जड़ित 14 रन की पारी से धीमी पिच पर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। रिजवी ने 24 गेंदों की नाबाद पारी में चार छक्के लगाए, जबकि स्टब्स ने 31 गेंदों की पारी में एक चौका और दो छक्के जड़े। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 58 रन जोड़े। इस बीच चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने शानदार लय में चल रहे जैमी ओवरटन से सिर्फ एक ओवर कराया, जिन्होंने 19वें ओवर में सिर्फ पांच रन खर्च कर स्टब्स को आउट किया। नूर अहमद ने तीन ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि अकील हुसैन ने चार ओवर में 19 रन देकर एक सफलता हासिल की। गुरजपनीत और अंशुल कंबोज को भी एक-एक सफलता मिली, लेकिन कंबोज चार ओवर में 49 रन देकर सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए।

धर्मेंद्र प्रधान ने निजी क्षेत्र से अनुसंधान और नवाचार में अधिक निवेश करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को निजी क्षेत्र से अनुसंधान और नवाचार में निवेश बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में उद्योग की अधिक भागीदारी की आवश्यकता है। प्रधान ने यहां 'आईआईटी मद्रास टेक्नोलॉजी समिट 2026' का उद्घाटन करते हुए कहा कि हालांकि सरकार ने अनुसंधान और विकास के लिए वित्त पोषण में काफी वृद्धि की है, लेकिन इसमें उद्योग के योगदान को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत में अनुसंधान निवेश का लगभग 70 प्रतिशत वर्तमान में सरकारी धन से आता है। यह सही संकेत नहीं है। हमें सरकार और उद्योग के बीच कम से कम 50-50 प्रतिशत योगदान की आवश्यकता है।

नवाचार के लिए सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहन पर प्रकाश डालते हुए प्रधान ने कहा कि अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए एक लाख करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया गया है, जिसमें 'स्टार्टअप' को मिलने वाली सहायता भी शामिल है। प्रधान ने कहा, कुछ साल पहले हमारे देश में केवल कुछ सौ स्टार्टअप थे। अब, हमने ढाई लाख से अधिक स्टार्टअप का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने कहा कि इसी के साथ देश 'वैश्विक नवाचार सूचकांक' में अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 85वें से 38वें स्थान पर पहुंच गया है। मंत्री ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को दोहराया और कहा कि 'ग्लोबल साउथ' भारतीय मॉडल पर निर्भर करेगा। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

अभिनेता संतोष नायर की पथनमथिट्टा में सड़क दुर्घटना में मौत

पथनमथिट्टा (केरल)/भाषा। पथनमथिट्टा जिले के एनाथु में एक सड़क दुर्घटना में मलयालम अभिनेता संतोष नायर की मंगलवार सुबह मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार दर्घटना सुबह करीब साढ़े छह बजे हुई। पुलिस ने बताया कि नायर की कार एक लॉरी से टकरा गई व इस हादसे में वह और उनकी पत्नी घायल हो गए।

'बदले की खतरनाक राजनीति' में लिप्त है आप : राघव चड्ढा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर ''प्रतिशोध की राजनीति'' करने और हाल में पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले राज्यसभा सदस्यों को निशाना बनाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

चड्ढा ने तीन अन्य सांसदों के साथ मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने आप छोड़ने के बाद उनके खिलाफ उत्पीड़न और ''राजनीतिक रूप से प्रेरित'' कार्रवाई का आरोप लगाया।

राज्यसभा सदस्य राजिंदर गुप्ता और अशोक मित्तल भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

चड्ढा ने बैठक के बाद यहां पत्रकारों से कहा, ''आम आदमी पार्टी से असहमति जताने का अपना संवैधानिक अधिकार प्रयोग करने वाले सभी सांसदों, जिन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया, उनके संबंध में तथा इन सभी घटनाओं व घटनाक्रमों को आज राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। मैं आम आदमी पार्टी को यह भी बताना चाहता हूं कि जब तक हम आज्ञाकारी रहे, हमें संस्कारी माना गया। जैसे ही हमने पार्टी छोड़ी, हमें भ्रष्ट करार दे दिया गया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए कई पूर्व आप सांसदों को राज्य एजेंसियों द्वारा धमकाया और दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आम आदमी पार्टी, जो दूसरों पर बदले की राजनीति का आरोप लगाती रही है, आज खुद खतरनाक प्रतिशोध की राजनीति में लिप्त है।

कारोबार, कुशल पेशेवरों के आवागमन को बढ़ावा देने पर सहमत हुए भारत और जमैका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किंग्सटन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और जमैका व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने तथा स्वास्थ्यकर्मियों और शिक्षकों सहित कुशल पेशेवरों की भर्ती एवं दोनों देशों में उनके आवागमन को बढ़ावा देने के लिए सहयोग की संभावनाओं को तलाशने पर सहमत हुए हैं।

जमैका की अपनी समकक्ष कामिना जे स्मिथ के साथ सोमवार को हुई बातचीत के बाद यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि चर्चा व्यापक थी और इसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई, साथ ही साझेदारी को गहरा करने के नए रास्ते भी तलाशे गए। उन्होंने कहा, ''हमने कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए और डिजिटल परिवर्तन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, खेल और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में हाल में संपन्न हुए समझौता ज्ञापनों के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा की ताकि जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें।''

जयशंकर ने कहा कि भारत व्यापार और निवेश के लिए कैरेबियाई क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में और साजो सामान केंद्र के रूप में जमैका की बढ़ती भूमिका को मान्यता देता है। उन्होंने कहा, ''हम व्यापार, व्यवसाय और निवेश संबंधों को और मजबूत करने, नर्सों, स्वास्थ्यकर्मियों और शिक्षकों सहित कुशल पेशेवरों की भर्ती और आवागमन के लिए सहयोग के अवसरों की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमत हुए हैं।''

मंत्री ने बताया कि दोनों पक्षों ने रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटलीकरण, कृषि, शिक्षा एवं बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की।

विकास के क्षेत्र में सहयोग को संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बताते हुए जयशंकर ने मार्च 2026 में किटसन टाउन में ग्रामीण आजीविका सुधार परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने का जिक्र किया, जिसे भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष के तहत 10 लाख अमेरिकी डॉलर की भारतीय सहायता से क्रियान्वित किया गया था। इससे 200 से अधिक व्यक्तियों को लाभ हुआ और हजारों अन्य लोग प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जमैका में कारीगर सशक्तिकरण केंद्र स्थापित करने की संभावना पर भी भारत चर्चा कर रहा है और उन्होंने तूफान 'मेलिसा' के बाद देश को इससे उबरने में अपना समर्थन दोहराया।

सबसे अधिक स्पैम कॉल प्रभावित देशों में भारत पांचवें स्थान पर: ट्रूकॉलर रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत दुनिया में पांचवें सबसे अधिक स्पैम कॉल प्रभावित देशों में शामिल है। बिक्री और टेलीमार्केटिंग कॉल्स इस समस्या का प्रमुख कारण बनी हुई हैं। कॉल करने वालों की पहचान की सुविधा देने वाले मंच 'ट्रूकॉलर' की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

स्पैम कॉल से सबसे अधिक प्रभावित देशों की वैश्विक सूची में इंडोनेशिया शीर्ष पर है। इसके बाद चिली, वियतनाम और ब्राजील का स्थान है। ट्रूकॉलर के 50 करोड़ वैश्विक उपयोगकर्ताओं के गुमनाम और एकीकृत डेटा पर आधारित इन आंकड़ों से पता चला है कि कंपनी ने साल 2025 में दुनिया भर में 68 अरब से अधिक स्पैम और धोखाधड़ी वाली कॉल की पहचान की। भारत में स्पैम कॉल की तीव्रता 66 प्रतिशत दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल स्पैम गतिविधि में 'सेल्स' और 'टेलीमार्केटिंग' कॉल की हिस्सेदारी सबसे अधिक 36 प्रतिशत रही।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वालों को मुंह की खानी पड़ी : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने के कारण पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रमक को 'मुंह की खानी पड़ी' है। गुप्ता ने कहा कि इस संविधान संशोधन अधिनियम का विरोध करने वालों को जनता को 'जवाब देना भारी पड़ रहा है।'

भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा पिछले महीने पेश किया गया महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका था। विपक्षी दलों ने एकजुट होकर इसके खिलाफ मतदान किया था। मुख्यमंत्री ने बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विजय को मां काली का आशीर्वाद बताया और इसे महिलाओं की जीत करार दिया। राष्ट्रीय राजधानी के चित रंजन (सीआर) पार्क स्थित मां काली मंदिर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ पूजा-अर्चना करने के बाद गुप्ता ने कहा, यह वही आस्था है जो दिल्ली को शक्ति देती है, वही सनातन ऊर्जा अब बंगाल में परिवर्तन का संकल्प बन रही है। मां काली के आशीर्वाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और जनता के अपार जनसमर्थन से अब बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने जा रही है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि बंगाल की महिलाओं ने भय, आतंक और तुष्टिकरण की राजनीति को नकारकर यह सिद्ध कर दिया है कि नारी शक्ति अब अपने सम्मान और अधिकारों के लिए किसी भी दमनकारी शक्ति से टकराने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भय, आतंक और अत्याचार के वातावरण के बावजूद बंगाल की महिलाओं ने निर्भीक होकर मतदान किया और लोकतंत्र को सशक्त बनाते हुए सुशासन की सरकार स्थापित की।

गुप्ता ने कहा कि बंगाल में बनने वाली सुशासन सरकार राज्य के भविष्य को और उज्ज्वल करेगी। उन्होंने कहा, यह जीत महिलाओं की जीत है, मां काली के आशीर्वाद से यह बंगाल की जीत है, देश की जीत है, देश के विकास की जीत है।

मुख्यमंत्री ने कहा, जिस-जिस नेता ने, जिस-जिस पार्टी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध किया, आज उनको मुंह की खानी पड़ी। चाहे वह द्रमुक के स्टालिन हों, चाहे ममता बनर्जी हों, चाहे अरविंद केजरीवाल हों।

अप्रैल में बंगाल और तमिलनाडु समेत चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव हुए थे। इन चुनावों के चार मई को घोषित हुए नतीजों में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया और प्रचंड बहुमत के साथ पहली बार राज्य में सरकार बनाने जा रही है।

वहीं, तमिलनाडु में एमके स्टालिन नीत द्रमुक को भी हार का सामना करना पड़ा और राज्य में अभिनय से राजनीति में आए विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है।

महंगे मेमोरी से स्मार्टफोन की आपूर्ति 12% तक घटने का अनुमान : सीएमआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मेमोरी चिप्स की कीमतों में तेज बढ़ोतरी होने से इस साल भारत में स्मार्टफोन की आपूर्ति 10-12 प्रतिशत तक घट सकती है। बाजार शोध फर्म सीएमआर की एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

सीएमआर की 'इंडिया मोबाइल हैंडसेट मार्केट रिव्यू' रिपोर्ट के मुताबिक, देश के स्मार्टफोन बाजार में सालाना आधार पर आपूर्ति में दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डीआरएएम और एनएएनडी फ्लैश जैसी मेमोरी की कीमतों में तेज वृद्धि से मोबाइल फोन की लागत बढ़ गई, जिससे कंपनियों को कीमतें बढ़ानी पड़ीं। इसका असर खासकर कीमत के प्रति संवेदनशील उपभोक्ताओं पर पड़ा है और उन्होंने फोन बदलने की योजना टाल दी है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के उपाध्यक्ष (उद्योग शोध समूह) प्रभु राम ने कहा कि भारत में 2026 के दौरान स्मार्टफोन बाजार में गिरावट लागत बढ़ने के दबाव और सतर्क मांग दोनों का मिला-जुला असर दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''डीआरएएम और एनएएनडी मेमोरी की ऊंची कीमतों ने स्मार्टफोन की लागत बढ़ा दी है, जिससे आम उपभोक्ता वर्ग में खरीद क्षमता प्रभावित हुई है जबकि प्रीमियम वर्ग अपेक्षाकृत सुरक्षित बना हुआ है।''

उन्होंने कहा कि इससे किफायती और वैल्यू-फॉर-मनी श्रेणियों की आपूर्ति में इस साल 10-12 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है।

'मजबूत वृद्धि, स्थिर मुद्रास्फीति रहने पर मुद्रास्फीति लक्ष्य में कटौती पर विचार'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि यदि अगले कुछ वर्षों में आर्थिक वृद्धि मजबूत और महंगाई दर स्थिर रहती है तो देश मुद्रास्फीति लक्ष्य को घटाने और उसके संतोषजनक दायरे में कटौती पर विचार कर सकता है। इसके साथ ही गुप्ता ने कहा कि अगर वैश्विक माहौल पिछले छह वर्षों की तरह चुनौतीपूर्ण बना रहता है, तो मौजूदा रूपरेखा को बनाए रखना जरूरी होगा। सरकार ने आरबीआई से परामर्श के बाद 31 मार्च, 2031 तक के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य ढांचे को अधिसूचित किया है, जिसके तहत वित्त वर्ष 2026-27 से 20230-31 तक महंगाई दर को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर बनाये रखने का लक्ष्य है। डिप्टी गवर्नर ने यहां एक सेमिनार में कहा कि भविष्य का महंगाई लक्ष्य ढांचा इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाले वर्षों में वृद्धि और महंगाई का संतुलन किस दिशा में जाता है। उन्होंने कहा, यदि पिछले दशक की तरह मजबूत वृद्धि और कम एवं स्थिर महंगाई का रुझान जारी रहता है, तो अन्य देशों की तरह लक्षित दर को थोड़ा कम करने और दायरा संकुचित करने का मामला बन सकता है।

मुख्यमंत्री मान राष्ट्रपति से मिले, छह रास सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनसे राज्य के उन छह राज्यसभा सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने का आग्रह किया जो हाल में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे।

मान ने एक संवैधानिक प्रावधान लाने की भी वकालत की जिससे मतदाता जनप्रतिनिधि के काम नहीं कर पाने पर उसे हटा सकें। आम आदमी पार्टी (आप) को 24 अप्रैल को उस समय बड़ा झटका लगा था जब राज्यसभा में उसके 10 सदस्यों में से सात- राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल ने यह आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी कि 'आप' अपने मूल्यों और मूल सिद्धांतों से भटक गई है। इनमें मालीवाल को छोड़कर छह सदस्य पंजाब से हैं। मान राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से अकेले मिले जहां उन्होंने सभी विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक ज्ञापन सौंपा। बैठक के दौरान करीब 90 विधायक रेल भवन पर थे। राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान मान ने संविधान में जनप्रतिनिधियों को वापस बुलाने के प्रावधान की जरूरत पर जोर दिया। फरवरी में राघव चड्ढा ने 'वापस बुलाने का अधिकार' प्रावधान लाने की वकालत की थी जो मतदाताओं को अधिकार दे कि जनप्रतिनिधि सही से काम नहीं करें तो उन्हें पांच साल के कार्यकाल से पहले हटा दिया जाए। मान की मांग को चड्ढा के इसी बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मान ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए सात सांसदों के दल-बदल को संविधान की 'हत्या' बताया। उन्होंने बैठक को बहुत अच्छा बताते हुए कहा, ''सात सांसदों का दूसरी पार्टी में विलय करना पूरी तरह से असंवैधानिक है। मैंने राष्ट्रपति जी से इस बारे में विस्तार से बात की।''

फडणवीस ने यौन अपराधियों को पैरोल देने पर रोक के लिए सख्त कानून बनाने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यौन अपराधियों के लिए पैरोल पर रोक लगाने के प्रावधान वाला एक कड़ा कानून बनाने का मंगलवार को आदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लगभग 90 फीसदी अपराध उन आदतन अपराधियों द्वारा किए जाते हैं, जो अस्थायी तौर पर जेल से बाहर आते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, फडणवीस ने यहां आयोजित कैबिनेट बैठक में कहा कि इसी तरह का एक कानून उनके पिछले मुख्यमंत्री कार्यकाल (2014-2019) के दौरान लागू किया गया था, लेकिन तीन साल तक प्रभावी रहने के बाद अदालतों ने इसे रद्द कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, फडणवीस ने कहा, इस तरह के (यौन अपराध) मामलों में 80 से 90 फीसदी आरोपी वे लोग हैं, जिन्हें इसी तरह के अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया था और वे पैरोल पर जेल से बाहर आए थे और उसी दौरान उन्होंने फिर से ऐसा अपराध किया। मुख्यमंत्री ने ऐसे अपराधों की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने के लिए कड़े उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यौन अपराधियों को पैरोल देने पर रोक लगाने वाला कानून वापस लाया जाना चाहिए। फडणवीस का यह आदेश पुणे जिले की भोर तहसील के एक गांव में आपराधिक रिकॉर्ड वाले 65-वर्षीय एक व्यक्ति द्वारा चार साल की एक बच्ची के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या के मामले के मद्देनजर आया है। मुख्यमंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि बलात्कार और हत्या के मामले के इस आरोपी पर पहले भी दो बार इसी तरह के अपराध का आरोप है। आदतन अपराधियों को पैरोल के दुरुपयोग से रोकने के उपाय करने की तत्काल आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक : मंत्रिमंडल ने दो नई सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी, कुल निवेश 3,936 करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को दो और सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी। इसमें 3,936 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होगा। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं को इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत मंजूरी दी गई है। इनमें गैलियम नाइट्राइड प्रौद्योगिकी पर आधारित देश की पहली वाणिज्यिक मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले इकाई और एक सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई शामिल है। ये इकाइयां गुजरात में 3,936 करोड़ रुपए के कुल निवेश से स्थापित की जाएंगी और इनसे लगभग 2,230 कुशल पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। क्रिस्टल मैट्रिक्स लिमिटेड (सीएमएल) गुजरात के धोलेरा में कंपाउंड सेमीकंडक्टर विनिर्माण और एटीएमपी (निर्माण तथा संयोजन, परीक्षण) की एकीकृत इकाई स्थापित करेगी, जहां मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले मॉड्यूल का उत्पादन किया जाएगा। वहीं, सुची सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड (एसएसपीएल) गुजरात के सूरत में आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर संयोजन एवं परीक्षण (ओएसएटी) इकाई स्थापित करेगी, जहां डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर का निर्माण होगा। इन दो नई मंजूरियों के साथ देश में सेमीकंडक्टर उद्योग को और मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक : गुजरात के वडिनार में बनेगा अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र, 1,570 करोड़ रुपए का होगा निवेश

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को गुजरात के वडिनार में 1,570 करोड़ रुपए के निवेश से अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस परियोजना को दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड संयुक्त रूप से लागू करेंगे। बयान के मुताबिक, यह परियोजना ब्राउनफील्ड मॉडल पर विकसित की जाएगी, जिसमें 650 मीटर लंबी गोदी, दो बड़े फ्लोटिंग ड्राई डॉक, कार्यशालाएं और अन्य समुद्री अवसंरचना शामिल होंगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक : सरकार ने गन्ने का लाभकारी मूल्य 10 रुपए बढ़ाकर 365 रुपए प्रति क्विंटल किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को अक्टूबर से शुरू होने वाले 2026-27 सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 10 रुपए बढ़ाकर 365 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) पर यह फैसला किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, ''10.25 प्रतिशत की मूल प्राप्ति (रिकवरी) दर के लिए एफआरपी 365 रुपए प्रति क्विंटल होगा।'' हर 10.25 प्रतिशत से ऊपर रिकवरी में 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर, एफआरपी में 3.56 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी होती है। इससे ज्यादा रिकवरी को प्रोत्साहन मिलता है।

आंध्र के लोगों का लंबे समय से संजोया सपना साकार हुआ : मुख्यमंत्री नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि रेल मंत्रालय द्वारा विशाखापत्तनम को मुख्यालय बनाकर एससीआर की स्थापना के लिए एक राजपत्र अधिसूचना जारी किए जाने से राज्य की जनता का लंबे समय से संजोया हुआ सपना साकार हो गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नया रेलवे जोन एक जून से परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने पोस्ट में कहा, यह बेहद खुशी की बात है कि रेल मंत्रालय ने विशाखापत्तनम को मुख्यालय बनाकर दक्षिण तटीय रेलवे जोन की स्थापना के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी है। आंध्र प्रदेश के लोगों का लंबे समय से संजोया सपना साकार हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वॉल्टेयर डिवीजन के पुनर्गठन के हिस्से के रूप में, पलासा-इच्छापुरम जैसे प्रमुख खंडों का विशाखापट्टनम डिवीजन में विलय उत्तर आंध्र के परिवहन परिदृश्य को बदल देगा।

भाजपा ने लोकतंत्र को 'अगवा' किया, पंजाब उसका 'विजय रथ' रोकेगा : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकतंत्र को अगवा करने का आरोप लगाया। उन्होंने हाल में संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत की पृष्ठभूमि में कहा कि पंजाब पार्टी के 'विजय रथ' को रोक देगा।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने लोकतंत्र को अगवा कर उसकी हत्या कर दी है। उन्होंने पार्टी पर चुनाव में हेरफेर का आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा ने पश्चिम बंगाल में वही किया जो उसने नई दिल्ली में मेरे विधानसभा क्षेत्र में वोट काटकर किया। केजरीवाल ने कहा, आज लोकतंत्र खतरे में है। 2014 में नरेन्द्र मोदी के पक्ष में लहर थी और वे (भाजपा) लगातार चुनाव जीतते रहे। फरवरी 2015 में दिल्ली में उन्हें सिर्फ तीन सीट मिलीं। अगर वे पंजाब में सत्ता में आए, तो राज्य को बर्बाद कर देंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के आगामी विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के लिए आखिरी चुनाव होंगे; पंजाब के बाद मोदी सरकार गिर जाएगी। केजरीवाल ने दावा किया कि पंजाब में 'आप' सरकार के पक्ष में सत्ता समर्थक लहर है और हर गांव प्रशासन की ओर से किए गए कार्यों को मान्यता देता है। हाल में 'आप' छोड़ भाजपा में शामिल होने वाले सात राज्यसभा सदस्यों का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि ये सीट पंजाबियों की थीं। उन्होंने कहा, भाजपा ने पंजाब से ये सीट छीन ली हैं और अब हम सभी को उन्हें रोकने के लिए काम करना होगा। पंजाब ने ऐतिहासिक रूप से विदेशी आक्रमण को रोका, लेकिन इस बार दुश्मन भीतर ही है; पंजाबियों को ही उन्हें रोकना होगा। केजरीवाल के अलावा मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी कपूरथला हाउस में जुटे राज्य के विधायकों को संबोधित किया।

गुजरात पुलिस ने 20 राज्यों में फैले साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया, 10 गिरफ्तार

गांधीनगर/भाषा। पुलिस ने 53 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर धोखाधड़ी में शामिल एक गिरोह से जुड़े 10 लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया है, जो कम से कम 20 राज्यों में फैला है। पुलिस ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। गांधीनगर स्थित 'साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की एक टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक आणंद निवासी साहिलमिया शब्बीरमिया मालिक ने कथित तौर पर पेटलाद कस्बे (आणंद जिला) के सलमान वोहरा का कर्नाटक बैंक खाता मुहैया कराया था। वोहरा मुंबई में 2024 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, तकनीकी निगरानी के आधार पर टीम ने साइबर अपराधों से प्राप्त धन के लेन-देन में कमीशन पर काम कर रहे 10 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान पता चला कि विभिन्न राज्यों में 53.55 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई, जहां पीड़ितों द्वारा साइबर धोखाधड़ी की कुल 132 शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से 11 मोबाइल फोन, 11 चेकबुक, पासबुक और डेबिट कार्ड जब्त किए।

भारत और फिलीपीन ने आवागमन, आव्रजन के मुद्दे पर सहयोग को लेकर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। भारत और फिलीपीन ने न्यूयॉर्क में आयोजित एक बैठक से इतर आवागमन और आव्रजन के साझा मुद्दों पर सहयोग के बारे में चर्चा की।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सोमवार को फिलीपीन के प्रवासी कामगार विभाग के मंत्री हंस लियो कैकडैक से मुलाकात की। सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, फिलीपीन के प्रवासी कामगार विभाग के मंत्री हंस लियो कैकडैक से मिलकर खुशी हुई। आवागमन और आव्रजन के साझा मुद्दों पर सहयोग के बारे में चर्चा की। सिंह चार से आठ मई तक संयुक्त राष्ट्र महासभा के तहत आयोजित किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय आव्रजन समीक्षा फोरम (आईएमआरएफ) के दूसरे सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत दुनिया में प्रवासी कामगारों के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है, इसलिए इस तरह की चर्चाएं श्रम आवागमन और विदेश में रोजगार के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते एक बयान में कहा था कि सिंह आईएमआरएफ के पूर्ण सत्र में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य देंगे। भारत आव्रजन प्रशासन में डिजिटल नवाचारों के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन और मेजबानी भी करेगा।

आईएमआरएफ एक अंतर-सरकारी मंच है, जो आव्रजन पर संयुक्त राष्ट्र के समझौते की प्रगति की समीक्षा करता है। आमतौर पर इसका समापन प्रगति घोषणापत्र के अनुमोदन के साथ होता है। पहला आईएमआरएफ 2022 में आयोजित किया गया था।

विधायक के टिकट के लिए पांच करोड़ रुपए का भुगतान करने को कहा गया था : मनोज तिवारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के निवर्तमान विधायक मनोज तिवारी ने मंगलवार को कहा कि उनके लिए 'तृणमूल कांग्रेस का अध्याय अब खत्म हो गया है।' उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने उन्हें हावड़ा की शिबपुर सीट से टिकट देने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि उन्होंने पांच करोड़ रुपए देने से इनकार कर दिया था।

भारत के 40 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज और बंगाल क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी (10,195 प्रथम श्रेणी रन) ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में खेल राज्य मंत्री थे। ममता का 15 साल का कार्यकाल हालिया विधानसभा चुनावों में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत के साथ समाप्त हो गया। तिवारी ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, ''इस करारी हार से मुझे बिल्कुल भी हैरानी नहीं हुई है। जब पूरी पार्टी ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो और किसी भी क्षेत्र में कोई विकास नहीं हुआ हो तो ऐसा होना ही था।'' उन्होंने कहा, ''सिर्फ वही लोग टिकट खरीद पाए जो भारी-भरकम रकम दे सकते थे। इस बार कम से कम 70 से 72 उम्मीदवारों ने टिकट पाने के लिए करीब पांच करोड़ रुपए दिए। मेरे से भी पैसे मांगे गए थे लेकिन मैंने देने से मना कर दिया। यह तो देखिए कि जिन लोगों ने पैसे दिए उनमें से कितने लोग चुनाव जीत पाए हैं।''

तिवारी ने कहा, ''जहां तक तृणमूल की बात है तो मेरे लिए अब वह अध्याय पूरी तरह से खत्म हो चुका है।''

तिवारी ने कहा कि उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं था, भले ही 2019 में तृणमूल ने उन्हें लोकसभा का टिकट देने की पेशकश की थी। आखिरकार 2021 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने शिबपुर से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने कहा, ''उस समय मैं आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेल रहा था और रणजी ट्रॉफी में खेलने को लेकर गंभीर था जब दीदी (ममता) चाहती थीं कि मैं लोकसभा चुनाव लड़ूं।''

तिवारी ने कहा, ''मैंने विनम्रता से मना कर दिया था लेकिन 2021 के चुनावों से पहले दीदी ने एक बार फिर मुझे बुलाया और कहा, 'मनोज मेरे पास तुम्हारे लिए एक संदेश है और अरूप तुम्हें वह संदेश देगा।' मुझे शिबपुर से चुनाव लड़ने के लिए कहा गया और मैंने सोचा कि मैं कुछ सार्थक बदलाव ला सकता हूं।''

तिवारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र की कमी है। उन्होंने कहा, ''मैंने ऐसी बैठकों में हिस्सा लिया है जहां तृणमूल के सभी मंत्रियों को बुलाया जाता था। मुझे राज्य मंत्री के नाम पर बस एक 'लॉलीपॉप' थमा दिया गया था, जिसका असल में कोई मतलब ही नहीं था। अगर मैं खड़ा होकर कहता, 'दीदी, मैं आपका ध्यान एक खास समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं।' तो वह बीच में ही हमें रोक देतीं और कहतीं, 'मेरे पास तुम लोगों के लिए समय नहीं है।'

तिवारी ने कहा कि हावड़ा जिले में सीवेज और ड्रेनेज प्रणाली के खराब होने की पुरानी समस्या को उनके बार-बार प्रयास करने के बावजूद कभी हल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, ''मौजूदा विधायक होने के नाते मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में ड्रेनेज के काम के लिए हर जगह दौड़-भाग करता रहा लेकिन जिन लोगों ने वर्षों तक हावड़ा नगर पालिका पर कब्जा जमाए रखा और चुनाव नहीं होने दिए उन्होंने कभी इसकी परवाह नहीं की।''

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ''वे बस विकास कार्यों में अड़ंगा डालते रहते थे जबकि वे बहुत ही बुनियादी काम थे। मैं आपको बता सकता हूं कि मैंने जो कुछ काम करवाए वे सिर्फ विधायक कोष से ही नहीं बल्कि परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मैंने अपनी जेब से भी पैसे दिए।''

तिवारी ने कहा, ''हर साल दीदी भूमिगत ड्रेनेज प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए एक 'मास्टर प्लान' की घोषणा करती थीं लेकिन बात बस घोषणा तक ही सीमित रहती थी- यानी सिर्फ कोरे वादे।''

होम्योपैथी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का समग्र समाधान है : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत में होम्योपैथी एक शक्तिशाली और लोकप्रिय चिकित्सा प्रणाली के रूप में अपनी पहचान बना रही है। देशभर में लाखों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित हो रहे हैं। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा भारत सरकार का आयुर्वेद मंत्रालय इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है और होम्योपैथी आज की जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का एक समग्र समाधान है।

होम्योपैथी फाउंडेशन और राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित कर्नाटक विश्व होम्योपैथी दिवस – 2026 समारोह में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा, समर्पित डॉक्टर और अनुसंधान-आधारित दृष्टिकोण कर्नाटक राज्य में होम्योपैथी के विकास में योगदान दे रहे हैं। विश्व होम्योपैथी दिवस हर साल 10 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन उस चिकित्सा पद्धति पर चिंतन करने का दिन है जिसने पीढ़ियों से लाखों लोगों का सहारा दिया है और स्वास्थ्य एवं उपचार के लिए एक सौम्य और समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है। विश्व होम्योपैथी दिवस महान चिकित्सक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्होंने एक ऐसी चिकित्सा पद्धति दी जो केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं थी, बल्कि रोगी के शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को महत्व देती थी। उन्होंने कहा था कि होम्योपैथी का मूल सिद्धांत यह है कि यह सिखाती है कि रोगों के उपचार, इलाज की तरह, प्रकृति में ही निहित हैं।

उन्होंने कहा कि कम मात्रा में दी जाने वाली दवाएँ शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करती हैं और उसे स्वयं को ठीक करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। आज भी, चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के बावजूद, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, मानसिक तनाव और दीर्घकालिक रोग बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में, होम्योपैथी का समग्र दृष्टिकोण हमें संतुलित और दीर्घकालिक स्वास्थ्य की ओर ले जा सकता है। इस वर्ष का विषय, सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी, अत्यंत सार्थक और सामयिक है। सतत स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगमुक्ति नहीं है, बल्कि सभी के लिए दीर्घकालिक, पर्यावरण के अनुकूल और सुलभ स्वास्थ्य है। इस संदर्भ में होम्योपैथी एक आदर्श प्रणाली है। क्योंकि यह किफायती है। यह व्यक्ति-केंद्रित उपचार प्रदान करती है। यह प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देती है। किसी भी चिकित्सा प्रणाली की प्रासंगिकता निरंतर अनुसंधान और नवाचार पर निर्भर करती है। आज, होम्योपैथी में चिकित्सा अनुसंधान को बढ़ावा देने, आधुनिक तकनीकों – डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता – का उपयोग करने और इसके परिणामों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। इससे इसकी विश्वसनीयता बढ़ेगी और वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में इसे और अधिक मजबूत स्थान प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस समारोह में सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव सी.के. राममूर्ति, मोहम्मद मोहसिन, राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.सी. भगवान, कर्नाटक होम्योपैथी बोर्ड के अध्यक्ष नाडोजा डॉ. बी.टी. रुद्रेश, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अर्जुन ओडायर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उपचुनाव के नतीजे 2028 की जीत का ट्रेलर

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हालिया उपचुनावों में कांग्रेस की जीत को 2028 के विधानसभा चुनावों का मार्गदर्शक (गाइड) बताया है। मंगलवार को 'कृष्णा' होम ऑफिस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने जहां एक ओर जीत का जश्न मनाया, वहीं दूसरी ओर भाजपा पर श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र में वोटों की चोरी का गंभीर आरोप लगाया।

सिद्दरामय्या ने कहा कि दावणगेरे दक्षिण और बागलकोट उपचुनावों में कांग्रेस की जीत ने साबित कर दिया है कि जनता का भरोसा हमारी 'पांच गारंटियों' पर कायम है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने ही कहा था कि ये नतीजे 2028 का भविष्य तय करेंगे। अब जबकि कांग्रेस जीत गई है, तो यह साफ है कि जनता ने हमारे जनहितैषी कार्यक्रमों पर मुहर लगा दी है। उन्होंने चन्नपटना और शिगगांव जैसे विपक्षी गढ़ों में कांग्रेस की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि कांग्रेस जो वादा करती है, उसे निभाती है।

पुलिस ने 20 करोड़ रुपये का एमडीएमए और हाइड्रो गांजा जब्त किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में प्रतिबंधित मादक पदार्थों कम कीमत पर खरीदकर कॉलेज छात्रों समेत अन्य लोगों को बेचने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उनके पास से आठ किलो 58 ग्राम एमडीएमए, पांच किलो 700 ग्राम हाइड्रो गांजा, चार मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल की गई एक कार जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि जब्त की गई वस्तुओं का कुल मूल्य 10.05 करोड़ रुपये है, जबकि अनुमानित बाजार मूल्य 20.10 करोड़ रुपये है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में पता चला था कि यशवंतपुर थाना क्षेत्र एवं नंदिनी लेआउट थाना क्षेत्र के भीतर एमडीएमए और हाइड्रो गांजा जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ बेचे जा रहे हैं, जिसके आधार पर विशिष्ट स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया था। शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, इन अभियानों के दौरान अलग-अलग दिन छह व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया जिनमें दो अन्य राज्यों से और चार स्थानीय निवासी हैं।

इसमें कहा गया, पूछताछ करने पर आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अज्ञात अंतरराज्यीय और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से एमडीएमए और हाइड्रो गांजा जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थों को कम कीमतों पर खरीदकर लाभ कमाने के लिए उन्हें कॉलेज छात्रों समेत अन्य लोगों को बेच रहे थे।

केंद्र ने कर्नाटक में सूरजमुखी बीज की खरीद को मंजूरी दी

नई दिल्ली/बेंगलूरु। केंद्र सरकार ने कर्नाटक में वर्ष 2026 के रबी सत्र में उगाए गए 9,023 टन सूरजमुखी के बीज की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद को मंजूरी दे दी है। वहीं महाराष्ट्र में, चने की खरीद की अधिकतम सीमा बढ़ाकर 8,19,882 टन कर दी गई है और खरीद की समय सीमा को 30 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। यह खरीद 'मूल्य समर्थन योजना' (पीएसएस) के तहत की जाएगी। यह योजना तब लागू होती है, जब मंडी में कीमतें एमएसपी से नीचे गिर जाती हैं।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस फैसले से कर्नाटक में सूरजमुखी की खेती करने वाले किसानों को उनकी फसल का उचित और लाभकारी मूल्य मिल सकेगा। इससे महाराष्ट्र के उन किसानों को भी मदद मिलेगी, जो पहले से तय समय सीमा के भीतर अपनी फसल नहीं बेच पाए थे। उन्होंने एक बयान में कहा कि अब ज्यादा किसान एमएसपी का लाभ उठा सकेंगे और उन्हें बाजार के दबाव में आकर अपनी फसल कम कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा।

कांग्रेस का धर्म जीतने वाले की पूंछ पकड़ना है : आर. अशोक

सिद्दरामय्या और तमिलनाडु गठबंधन पर तीखा हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कांग्रेस पार्टी पर कड़ा प्रहार किया है। बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए अशोक ने कांग्रेस की राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाए और उन पर अवसरवादिता का आरोप लगाया। आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को बेतुके बयान शोभा नहीं देते। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान के अनुसार जीतने वालों का सम्मान करना हर प्रतिनिधि का कर्तव्य है और इसका उल्लंघन करना एक अक्षम्य अपराध है। संविधान के मुताबिक स्पीकर या राज्यपाल को शपथ दिलानी चाहिए। अगर नियमों को ताक पर रखकर शपथ ली जाएगी, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं और स्पीकर की इज्जत क्या रह जाएगी?

तमिलनाडु के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम और अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी को मिल रहे समर्थन पर अशोक ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अपनी कोई विचारधारा या नैतिकता नहीं बची है। अशोक ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेसियों का हाल यह है कि जहां अच्छा खाना (सत्ता) दिखता है, वे वहीं भाग जाते हैं। उन्होंने तमिलनाडु कांग्रेस यूनिट द्वारा विजय को समर्थन देने की खबरों पर कहा कि कांग्रेस का हाथ का सिंबल अब सिर्फ दूसरों से हाथ मिलाने (सौदेबाजी) के काम आता है। उन्होंने इसे विनर की पूंछ पकड़ने वाली राजनीति करार दिया। विपक्ष के नेता ने विपक्षी एकता (इंडी अलायंस) को चोरों का गठबंधन बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान को दोहराया जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर भरोसा न करने की बात कही थी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि तमिलनाडु में कांग्रेस अंततः डीएमके को धोखा देगी। द्रमुक पर हमला करते हुए आर. अशोक ने कहा कि जिन नेताओं ने हिंदुत्व को खत्म करने की बात कही थी, जनता ने उन्हें ही किनारे लगा दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोगों ने स्टालिन और उनके बेटे को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि हिंदुत्व के अपमान का क्या नतीजा होता है।

प्रेमी ने विवाहित प्रेमिका को जिंदा जलाने के बाद की आत्महत्या

चिक्काबल्लापुर/दक्षिण भारत। यहां चिक्काबल्लापुर जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर आई है, जहां प्रेम प्रसंग के चलते दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुजाता और रमनजिनप्पा के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला है कि रामनजिनप्पा ने पहले सुजाता को जिंदा जला दिया और फिर पुलिस की गिरफ्तारी के डर से खुद भी अपनी जान ले ली। यह घटना दोड्डबल्लापुरा शहर के पास जिंके बच्चाहल्ली में हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक 35 वर्षीय विवाहित महिला सुजाता देवनाहल्ली की रहने वाली थी और उसका कथित तौर पर मरासंद्रा के रमनजिनप्पा नाम के एक व्यक्ति के साथ अवैध संबंध था। रमनजिनप्पा अपनी पत्नी से चार महीने पहले ही अलग हो गया था और वह प्रेमिका पर भी पति से अलग होने का दबाव डाल रहा था।

पुलिस के अनुसार, सुजाता अपने प्रेमी के प्रभाव में आकर उसके साथ रहने लगी थी। लेकिन, जब उसने अपने पति को हमेशा के लिए छोड़ने से मना कर दिया, तो स्थिति बिगड़ गई। 2 अप्रैल को रमनजिनप्पा ने कथित तौर पर उस कार में आग लगा दी, जिसमें सुजाता बैठी थी, जिससे वह जिंदा जल गई। इस घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस जांच में बाद में पता चला कि इस घटना में इस्तेमाल की गई कार मारसंद्रा के सुरेश नाम के व्यक्ति की थी। यह भी सामने आया कि रमनजिनप्पा ने सुरेश से वह गाड़ी ली थी और उसी का इस्तेमाल इस वारदात को अंजाम देने में किया।

जब पुलिस उसकी तलाश कर रही थी, तो बताया जाता है कि रमनजिनप्पा छिप गया था। अब यह कहा जा रहा है कि गिरफ्तारी के डर से उसने आत्महत्या कर ली। उसने बेंगलूरु के बाहरी इलाके में बिड़दी के पास एक ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना का मामला दोड्डबल्लापुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

ज्ञापन

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, भाजपा नेता डी.एन. जीवराज और पूर्व गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने लोक भवन में मंगलवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की और एक याचिका सौंपी।

श्रृंगेरी में डाक मतपत्रों की पुनर्गणना के पीछे 'आपराधिक साजिश', नतीजों से छेड़छाड़ हुई : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को आरोप लगाया कि श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र में डाक के माध्यम से डाले गए मतों के पुनर्सत्यापन और पुनर्गणना के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार डी एन जीवराज ने आपराधिक साजिश रची। सिद्दरामय्या ने दावा किया कि पुनर्सत्यापन और पुनर्गणना की प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार टी डी राजे गौड़ा के पक्ष में पड़े वैध डाक मतों के साथ छेड़छाड़ करके नतीजों में हेरफेर की गई। गौड़ा के निर्वाचन को चुनौती देने वाली जीवराज की चुनाव याचिका पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर पिछले शनिवार को श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र में डाक मतपत्रों का पुनर्सत्यापन और पुनर्गणना की गई। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनर्सत्यापन और पुनर्गणना के बाद गौड़ा के पक्ष में पड़े डाक मतों की संख्या में 255 की कमी दर्ज की गई। अधिकारी के मुताबिक, इस मामले में एक रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई है। गौड़ा ने 2023 में कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनावों में श्रृंगेरी में जीवराज को 201 वोट के अंतर से हराया था। सिद्दरामय्या ने बेंगलूरु में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उच्च न्यायालय ने डाक मतपत्रों की दोबारा गिनती करने का निर्देश दिया था और दो मई को हुई पुनर्गणना के दौरान अनियमितताएं बरते जाने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा, यह आपराधिक साजिश का स्पष्ट मामला है।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि पुनर्गणना के दौरान कांग्रेस, भाजपा और जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) सहित सभी पार्टियों के मतगणना एजेंट ने गौड़ा के पक्ष में डाले गए वैध वोटों का सत्यापन किया था, लेकिन बाद में इनके साथ छेड़छाड़ की गई। उन्होंने दावा किया कि डाक मतपत्रों की पुनर्गणना के दौरान 255 वोट को शुरू में सभी एजेंट ने वैध माना था, लेकिन बाद में अधीनस्थ अधिकारियों ने उनके साथ छेड़छाड़ की। सिद्दरामय्या ने कहा, गौड़ा के पक्ष में पड़े वोट पर दूसरा निशान भी है। इन्हें वैध वोट मान लिया गया था। बाद में अधिकारियों ने एक और निशान लगाया। यह आपराधिक साजिश का स्पष्ट मामला है। यह पूछे जाने पर कि कथित साजिश के पीछे कौन है, मुख्यमंत्री ने कहा, इस साजिश के पीछे जीवराज और अन्य लोगों का हाथ है। यह एक सुनियोजित साजिश है। सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि पुनर्गणना के दौरान निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक की मौजूदगी के बावजूद नतीजे घोषित करके निर्वाचन अधिकारी ने अनुचित तरीके से काम किया। पुनर्गणना के तुरंत बाद निर्वाचन अधिकारी ने नतीजे घोषित कर दिए। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था; यह कानून के खिलाफ है।

रामनगरम में अब रुकेगी 'वॉडेयार एक्सप्रेस', सोमन्ना ने दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगरम। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने 5 मई को रामनगरम रेलवे स्टेशन पर केएसआर बेंगलूरु-मैसूर वोडेयार एक्सप्रेस (12614) को हरी झंडी दिखाकर इसके नए ठहराव (स्टॉपेज) का शुभारंभ किया। यह कदम स्थानीय नागरिकों, छात्रों और व्यापारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा। अब यह सुपरफास्ट ट्रेन रामनगरम में रुकेगी, जिससे बेंगलूरु और मैसूरु के बीच यात्रा तेज और सुगम हो जाएगी। ट्रेन नंबर 12613 (मैसूरु-बेंगलूरु) दोपहर 12:41 बजे और ट्रेन नंबर 12614 (बेंगलूरु-मैसूरु) शाम 4:01 बजे रामनगरम पहुंचेगी। मंत्री सोमन्ना ने बताया कि बेंगलूरु-मंगलूरु के बीच जल्द ही वंदे भारत ट्रेन शुरू होगी। साथ ही, बेंगलूरु-मैसूरु लाइन का चौहरीकरण और बेंगलूरु-कोलार के बीच नई सीधी लाइन का काम भी पाइपलाइन में है। स्थानीय विधायक इकबाल हुसैन ने रामनगर में 2-3 अंडरपास बनाने का अनुरोध किया, जिस पर मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने इस निर्णय को ऐतिहासिक बताया।

मंत्री सोमन्ना के अनुसार, इस ठहराव से न केवल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी, बल्कि स्थानीय व्यापार और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। इस अवसर पर राज्य के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी, विधायक इकबाल हुसैन और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)
भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI)
प्रौद्योगिकी केंद्र
आधार परिसर, एनटीआई लेआउट, टाटा नगर, कोडिगेहल्लि,
बेंगलुरु 560092 दूरभाष: 080-23099200

सत्यमेव जयते

आधार

यूआईडीएआई प्रौद्योगिकी केंद्र, बेंगलुरु में तकनीकी सलाहकारों के विभिन्न पदों की पूर्ति हेतु रिक्ति परिपत्र

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण भारतीय नागरिकों से पूर्णकालिक सेवाओं के लिए संविदा आधार पर व्यक्तिगत सलाहकारों के रूप में आवेदन आमंत्रित करता है। यह नियुक्ति प्रारंभिक तीन वर्ष की अवधि के लिए होगी, जिसे आगे अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

क्रम संख्या	पद का नाम	पदों की संख्या
1	वरिष्ठ मोबाइल फ्रंटएंड डेवलपर	2
2	वरिष्ठ मोबाइल बैकएंड डेवलपर	2
3	तकनीकी सलाहकार – क्लाउड कंप्यूटिंग	1

योग्य अभ्यर्थियों को विस्तृत विज्ञापन में उल्लिखित परिशिष्ट-अ तथा परिशिष्ट-ब में दिए गए पात्रता मानदंड और दायित्वों का अध्ययन करना चाहिए। यह जानकारी www.uidai.gov.in पर Work with UIDAI/Consultant अनुभाग में उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को अपने विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र की स्कैन प्रति recruitment-tc@uidai.net.in पर ई-मेल द्वारा भेजनी होगी। **आवेदन प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर भेजना अनिवार्य है।** अंतिम तिथि के बाद प्राप्त अथवा अपूर्ण आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

निदेशक (मा.सं.)

आधार नामांकन और अपडेट सेवा अब आधार सेवा केंद्रों पर भी उपलब्ध है।
नज़दीकी केंद्रों की जानकारी के लिए uidai.gov.in पर जाएं या 1947 पर कॉल करें।

CBC 54104/11/0003/2627

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094541, 4185, 4144 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, पीण्या, बेंगलूरु-58, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

1	कार्य का नाम	एमओएक्स परिसर, इसट्रैक के डीजी-01 के लिए डीजी डिस्ट्रीब्यूशन पैनल की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना	डायरेक्टर ब्लॉक, एससीसी परिसर, इसट्रैक, पीन्या, बेंगलूरु में एलटी पैनलों को बदलने का कार्य।
2	ई-निविदा सूचना क्र.	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-23 /2026-2027 दिनांक : 05.05.2026	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-24 /2026-2027 दिनांक : 05.05.2026
3	निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 24.22 लाख	रु. 20.50 लाख
4	निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
5	कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	तीन (03) महीने	चार (04) महीने
6	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	06.05.2026 को 16.00 बजे से 20.05.2026 को 16.00 बजे तक	
7	बोली स्पष्टीकरण	07.05.2026 को 11.00 बजे से 21.05.2026 को 16.00 बजे तक	
8	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	22.05.2026 को 16.00 बजे तक	
9	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	23.05.2026 को 16.00 बजे तक	
10	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	25.05.2026 को 11.00 बजे से	
11	ईएमडी	रु. 48,440.00	रु. 41,000.00

2. पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी – अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

देवनानी ने नक्षत्र व हर्बल वाटिका का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में नक्षत्र वाटिका और एक हर्बल वाटिका का उद्घाटन किया। उन्होंने इन्हें भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, प्राचीन ज्योतिषीय ज्ञान, आयुर्वेद चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का सजीव उदाहरण बताया। इस अवसर पर कई राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष मौजूद थे। डॉ. देवनानी ने बताया कि नक्षत्र वाटिका की अवधारणा भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों पर आधारित है।

ज्योतिष में प्रत्येक नक्षत्र का संबंध एक विशिष्ट वृक्ष से माना गया है। इसके लिए विधानसभा के दक्षिण भाग में दोनों पार्किंग के मध्य पांच हजार वर्ग मीटर अर्ध चन्द्राकार उद्यान विकसित किया गया है। इस वाटिका में 27 नक्षत्रों अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, मृगसिर, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती से संबंधित प्रमुख वृक्षों क्रमशः कुचला, आंवला, गूलर, जामुन, खैर, शीशम, बांस, पीपल, नागकेसर, बरगद/बट, पलाश, पाकड, रीठा/चमेली, बेल, अर्जुन, कटारी, मौलश्री, चीड/संभल, साल, जलवेतर/अशोक, कटहल, शमी/आक, मदार/शमी, कदंब, आम, नीम, महुआ का रोपण किया जा रहा है।

इन पौधों का नौ ग्रहों, बारह राशियों और त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव से भी संबंध है। देवनानी ने बताया कि नक्षत्र वाटिका को पारंपरिक भारतीय ज्योतिष में वर्णित 27 नक्षत्रों के आधार पर विकसित किया गया है जिसमें प्रत्येक नक्षत्र एक विशिष्ट वृक्ष से जुड़ा होता है। देवनानी ने बताया कि विधानसभा परिसर में 850 वर्ग मीटर में हर्बल वाटिका भी विशेष रूप से विकसित की गई है। इसके लिए विधानसभा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में सुव्यवस्थित 38 क्यारियों में 38 प्रजातियों के पौधे हैं। प्रत्येक क्यारी में एक प्रजाति के 20 से 25 पौधों का रोपण किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह वाटिकाएं केवल एक उद्यान नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा का जीवंत प्रतीक हैं। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगी बल्कि लोगों को अपने जन्म नक्षत्र से जुड़े वृक्षों के प्रति जागरूक भी करेगी।

आवारा कुत्तों के हमले में नौ वर्षीय बच्ची की मौत, ओम बिरला पीड़ित परिवार से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले के एक गांव में खेतों में शौच के लिए गई नौ वर्षीय बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया जिसमें बच्ची की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना की सूचना मिलने पर लोकसभा अध्यक्ष एवं कोटा-बूंदी से सांसद ओम बिरला सोमवार को पीड़ित परिवार के घर गए और शोक व्यक्त किया। उन्होंने परिवार को एक लाख रुपये अनुग्रह राशि सौंपी और सार्वजनिक सहयोग से एक लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता देने का वादा किया तथा बूंदी के जिलाधिकारी को प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बिरला ने अधिकारियों को आवारा कुत्तों के हमलों की रोकथाम के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। तालेड़ा थाना क्षेत्र के अलकोदिया गांव की निवासी रिंकू भील स्थानीय सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा की छात्रा थी और उसके परिवार के लोग दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। घटना सोमवार सुबह करीब छह बजे की है, जब बच्ची रोज की तरह अपने कच्चे घर से पास के खेतों में शौच के लिए गई थी तभी आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया और उसके शरीर को कई जगहों से बुरी तरह नोच डाला। तालेड़ा के पुलिस उपाधीक्षक राजेश टेलर ने बताया, आवारा कुत्तों ने शरीर के कुछ हिस्सों का मांस पूरी तरह नोचकर अलग कर दिया और उन्हें खा लिया।

लड़की की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो उसे बुरी तरह घायल पाया। बच्ची को तत्काल तालेड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। टेलर ने बताया कि पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपना निर्धारित कार्यक्रम बीच में ही छोड़ दिया और अलकोदिया गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की व शोक संवेदना व्यक्त की।

बिरला ने अधिकारियों को आवारा कुत्तों के हमलों की रोकथाम के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए तथा पीड़ित परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने को कहा। इससे पहले फरवरी में इसी थाना क्षेत्र के सीतापुरा स्थित एक सरकारी स्कूल में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक अन्य बच्ची को गंभीर रूप से घायल कर दिया था, जिसका इलाज अब भी जारी है।

हेरोइन व हथियारों की तस्करी के आरोप में पंजाब के दो युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पुलिस ने गंगानगर जिले में तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से हेरोइन, अफीम तथा अवैध हथियार जब्त किए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह कार्रवाई समेजा कोठी पुलिस द्वारा भारत माला राजमार्ग पर की गई। युवकों के पास से 1.5 किलो हेरोइन, एक किलो अफीम, पांच पिस्तौल, 10 मैगजीन और 72 कारतूस जब्त किए गए।

जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने बताया कि आरोपियों की पहचान कुलविंदर सिंह और रॉबिन सिंह के रूप में हुई जो पंजाब के फाजिल्का जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार जब्त हथियार पाकिस्तान और चीन में बने हैं। हेरोइन की आपूर्ति भी सीमा-पार से होने का संदेह है। पुलिस टीम ने एक कार में संदिग्ध रूप से घूम रहे आरोपियों को रोकने की कोशिश की। आरोपियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़कर भागने की कोशिश की। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर उनका वाहन एक ट्रॉली से टकरा गया जिससे उसके टायर फट गए। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने पास के खेतों में पैदल भागने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पकड़ लिया गया।

पुलिस ने बताया कि जब्त किए गए हथियारों में से चार पिस्तौल और एक पर मेड इन पाकिस्तान और एक पर मेड इन चाइना लिखा था जो आरोपियों के संगठित तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने का संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि हेरोइन की गुणवत्ता और पैकेजिंग भी उसके अंतरराष्ट्रीय होने का संकेत देती हैं। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में आगे जांच की जा रही है।

राजस्थान से कभी काम के सिलसिले में बंगाल गए पांच भाजपा उम्मीदवार भी विधानसभा पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा के पांच ऐसे उम्मीदवार भी जीते हैं जो दशकों पहले रोजगार की तलाश और अपने व्यवसायों के विस्तार के लिए राजस्थान से वहां गए थे। इस बार के चुनाव परिणाम पश्चिम बंगाल की राजनीति में प्रवासी राजस्थानी समुदायों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। राजस्थान मूल के इन नेताओं में विजय ओझा, भारत कुमार झंवर, अजय कुमार पोद्दार, राजेश कुमार और अशोक कीर्तनिया शामिल हैं। विजय ओझा मूल रूप से बीकानेर के रहने वाले हैं। उन्होंने 5,797 वोटों से बंगाल की जोरासांको सीट पर जीत हासिल की। झुंझुनू-कोलकाता के लंबे समय से निवासी रहे विजय ओझा 15 साल से भी ज्यादा समय तक म्युनिसिपल काउंसलर के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

राजस्थान के अन्य विजयी नेताओं में भारत कुमार झंवर शामिल हैं, जिन्होंने बेलडांगा से 13,208 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। अजय कुमार पोद्दार ने कुल्टी सीट 26,498 वोटों के अंतर से जीती। राजेश कुमार ने जगतदल से 20,909 वोटों से जीत दर्ज की और अशोक कीर्तनिया इन सभी में सबसे बड़े विजेता बनकर उभरे, जिन्होंने बनगांव उत्तर से 40,670 वोटों से जीत हासिल की। इन पांचों नेताओं के राजस्थान से पुराने संबंध हैं, लेकिन इन्होंने अपना राजनीतिक करियर पश्चिम बंगाल में बनाया और अपने गृह राज्य के साथ मजबूत सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्ते बनाए रखे।

इन नेताओं ने समर्थन जुटाने के लिए अपने गहरे सामुदायिक नेटवर्क, स्थानीय पहुंच और जमीनी मुद्दों की अपनी समझ का भरपूर इस्तेमाल किया। भाजपा ने राजस्थान से जुड़े 9 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। इनमें से पांच उम्मीदवारों ने जीत हासिल की, जो उनके अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जमीनी जुड़ाव और लगातार की गई राजनीतिक मेहनत को दर्शाता है। भवानीपुर जैसे हाई-प्रोफाइल निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने चुनाव प्रचार के प्रबंधन के लिए राजस्थान से नेताओं की एक समर्पित टीम तैनात की।

वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ के नेतृत्व में इस टीम ने सूक्ष्म-स्तरीय जनसंपर्क पर ध्यान केंद्रित किया, विशेष रूप से घर-घर जाकर प्रचार करने और कल्याणकारी संदेशों के माध्यम से युवा और महिला मतदाताओं को लक्षित किया। अपनी जीत के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने राजस्थान के नेताओं के योगदान को स्वीकार किया और उनके संगठनात्मक प्रयासों तथा जमीनी स्तर पर समन्वय की सराहना की। राजस्थान मूल के इन उम्मीदवारों की सफलता क्षेत्रीय राजनीति की बदलती गतिशीलता को उजागर करती है, जहां प्रवासी समुदाय अपने गृह राज्यों से बाहर भी चुनावी परिणामों को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं।

राज्य सरकार पशुपालन के क्षेत्र में विकास के लिए निरंतर प्रयासरत : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना तथा सेक्स सॉर्टेड सीमन योजना की समीक्षा के लिए मंगलवार को शासन सचिवालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। पशुपालन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार पशुधन संवर्द्धन और पशुपालन के क्षेत्र में विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने मंगला पशु बीमा योजना और सेक्स सॉर्टेड सीमन योजना की समीक्षा करते हुए दोनों योजनाओं के काम में तीव्रता लाते हुए जल्द से जल्द इसके लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले, प्रबंध निदेशक आरसीडीएफ श्रीमती श्रुति भारद्वाज, पशुपालन निदेशक डॉ सुरेश चंद मीना, निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा योजनाओं से संबंधित नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मार्च महीने तक 35 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है, 20 लाख 24 हजार से अधिक पशुओं की बीमा पॉलिसी जारी हो चुकी है और 15 हजार 741 दावों का निस्तारण करते हुए पशुपालकों को 30 करोड़ 73 लाख 3 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मंत्री कुमावत ने बीमा कंपनी को दावों के भुगतान की गति बढ़ाने और सर्वेयर की संख्या बढ़ाकर पेंडेंसी खत्म करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने विभाग और बीमा कंपनी को काम में गति लाते हुए जून माह तक 42 लाख बीमा पॉलिसी के लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना में एक वर्ष पूरे कर चुके बीमा पॉलिसियों का समय पर निर्धारित विधि से नवीनीकरण किए जाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने योजना में जुड़े हुए सभी पशु चिकित्सकों एवं सर्वेयर को नियमानुसार मानदेय का भुगतान शीघ्र किये जाने पर भी बल दिया। कुमावत ने निर्देश दिए कि पशुपालन विभाग में रेंज स्तर, जिला स्तर, ब्लाक स्तर के नियंत्रक अधिकारी के कार्यालय में नियुक्त सभी अधिकारियों को प्रतिदिन पांच- पांच गांवों की मॉनिटरिंग भौतिक रूप से करते हुए बीमा योजना सहित सभी विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा रिपोर्ट निदेशालय स्तर पर भिजवाएं।

सेक्स सॉर्टेड सीमन के बारे में चर्चा करते हुए मंत्री कुमावत ने कहा कि यह बजट घोषणा का कार्यक्रम है इसलिए इसकी समयबद्धता का विशेष ध्यान रखते हुए जल्द से जल्द लक्ष्य को हासिल किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि अब तक 2 लाख पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान सेक्स सॉर्टेड सीमन द्वारा किया जा चुका है। 5 लाख डोजेज अप्रेल माह तक जिलों को भिजवा दी गई है जिसमें से अब तक 31 हजार कृत्रिम गर्भाधान हो चुका है।

स्वास्थ्य योजना में फर्जीवाड़े का खुलासा, दो चिकित्सक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। इस मामले में दो चिकित्सकों को गिरफ्तार किया गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने सोमवार को बताया कि एसओजी ने सीकर स्थित बी. लाल लैब के संचालक डॉ. बनवारी लाल उर्फ बी. लाल और एस.के. अस्पताल में कार्यरत डॉ. कमल अग्रवाल उर्फ के.के. अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि दोनों चिकित्सकों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर आरजीएचएस योजना के तहत बड़े पैमाने पर अनियमितताएं कीं।

जांच में सामने आया है कि मरीजों को बिना देखे ही फर्जी परामर्श पर्चियां तैयार की जाती थीं। इन पर्चियों के आधार पर अनावश्यक जांचें, विशेषकर एमआरआई, लिखी जाती थीं। कई मामलों में सामान्य जांच को कॉन्ट्रास्ट एमआरआई दिखाकर अधिक बिल बनाए गए।

एसओजी के अनुसार, एक ही जांच को कई बार दिखाकर पांच से छह रिपोर्ट आरजीएचएस पोर्टल पर अपलोड कर अतिरिक्त भुगतान प्राप्त किया गया। इसके अलावा कई मामलों में मरीज की असली रिपोर्ट की तारीख बदलकर पोर्टल पर अपलोड की गई और सरकारी धन का गलत तरीके से भुगतान लिया गया। एक मामले में मरीज की एमआरआई रिपोर्ट चार दिसंबर 2023 की थी, लेकिन उसे पांच दिसंबर 2023 दर्शाकर भुगतान प्राप्त किया गया, जबकि संबंधित मरीज उस दिन सीकर में मौजूद ही नहीं था। जांच में यह भी सामने आया कि कई मरीजों को इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि उनके नाम पर दावा कर भुगतान प्राप्त किया जा रहा है।

संकट मोचन हनुमान मंदिर का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोटपूतली के बड़ाबास मोहल्ले में बाला वाला कुआं के पास स्थित नवनिर्मित अखाड़ा वाले ओंकारेश्वर महादेव एवं संकट मोचन हनुमान मंदिर का उद्घाटन सोमवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उद्घाटन पट्टिका का अनावरण कर बालाजी व ओंकारेश्वर महादेव के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विकास कार्यों में भामाशाहों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सामाजिक अवसरों पर अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के अंतर्गत हवन-पूजन, धार्मिक अनुष्ठान एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास थार रेगिस्तान में दिखाई दी दुर्लभ प्रजाति की बिल्लियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत-पाकिस्तान सीमा के पास थार रेगिस्तान में दुर्लभ कैरेकल प्रजाति की बिल्लियां (स्याहगोश) दिखाई देने से वन्य जीव प्रेमी उत्साहित हैं और इस अत्यंत मायावी व गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति के संरक्षण की नई उम्मीदें जगी हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कैमरा ट्रैप और रेडियो-कॉलरिंग की मदद से राजस्थान के जैसलमेर के शाहगढ़ इलाके में दो दुर्लभ कैरकल देखे हैं जिनमें से एक नर और एक मादा है। इससे इस प्रजाति की कुल दर्ज संख्या बढ़कर तीन हो गई है। उल्लेखनीय है कि यह कैरेकल कैट मध्यम आकार की जंगली बिल्ली होती है। इसकी एक विशेषता लंबे काले बालों वाले कान हैं। इसी कारण इसे 'स्याहगोश' भी कहा जाता है। स्थानीय रूप से 'पदंग' के नाम से जानी जाने वाली

कैरैकल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची एक के तहत संरक्षित है। कभी राजस्थान और गुजरात में बड़ी संख्या में पाई जाने वाली इस बिल्ली जैसी प्रजाति की आबादी में 95% से अधिक की गिरावट आई है। इसकी वजह इसके आवासीय क्षेत्र में कमी, बदले की भावना से की जाने वाली हत्याएं हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के सर्वेक्षणों के अनुसार भारत में अब केवल लगभग 50 कैरैकल ही बचे हैं। संस्थान ने कहा है कि वह इस प्रजाति के व्यवहार, आवागमन के तरीकों और पारिस्थितिकी पर एक विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन कर रहा है, जबकि भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट ने संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए एक पायलट परियोजना शुरू किया है।

वन अधिकारियों ने बताया कि चुनिंदा स्थानों पर लगाए गए मोशन-सेंसिंग कैमरा ट्रैप से, उनकी सीमित संख्या के बावजूद, उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक और कैरैकल को भी रेडियो कॉलर लगाया गया है ताकि उसके आवागमन, आवास के उपयोग और मानव बस्तियों से उसकी निकटता पर नज़र रखी जा सके।

उप वन संरक्षक कुमार शुभम ने कहा, कैमरा ट्रैप और रेडियो-कॉलरिंग के माध्यम से लगातार निगरानी करने से हमें इस प्रजाति के व्यवहार और आवास के उपयोग को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल रही है। इन निष्कर्षों के बाद, इस प्रजाति के व्यापक आवास क्षेत्र का आकलन करने के लिए घोटारू और थार रेगिस्तान के अन्य हिस्सों में अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अध्ययन पूरा होने के बाद एक व्यापक संरक्षण योजना तैयार की जाएगी।

राजस्थान में कई जगह आंधी व बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान में कई जगह आंधी व बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में सबसे अधिक 68 मिलीमीटर बारिश जयपुर के शाहपुरा में हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के असर से आज भी कोटा, उदयपुर, भरतपुर व जयपुर संभाग व उत्तरी राज्य के कुछ भागों में आंधी/बारिश हो सकती है। वहीं आगामी तीन-चार दिनों में राज्य के अधिकतर भागों में आंधी बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। हालांकि, राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं मध्यम दर्जे की आंधी बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी।

इसके अनुसार, अगले तीन चार दिन में अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री की बढ़ोतरी होने और सीमावर्ती क्षेत्रों में नौ मई से तेज गर्मी का नया दौर शुरू होने का अनुमान है। आठ से 11 मई के दौरान जोधपुर, बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री सेल्सियस हो सकता है।

साल 2017 से पहले लोग 'माफिया' और 'मच्छरों' से परेशान थे : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि साल 2017 से पहले राज्य के लोग 'माफिया' और 'मच्छरों' से परेशान थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2017 से पहले गोरखपुर की छवि कैसी थी। सुरक्षा की कमी थी। लोग माफिया और मच्छरों से परेशान थे। लोग गोरखपुर का नाम सुनने से भी डरते थे, और कोई निवेश करने नहीं आता था। यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। उन्हें नौकरियों के लिए भटकना पड़ता था और अपनी पहचान छुपानी पड़ती थी।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के तारामंडल इलाके में दो-लेन के पुल का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज,

नौजवानों न तो भटकना पड़ता है और न ही अपनी पहचान छुपानी पड़ती है। अकेले गोरखपुर में ही, गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण में उद्योगों के माध्यम से 50 हजार से अधिक युवाओं को नौकरियां और रोजगार मिला है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक 112 मीटर लंबा यह पुल गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा 14.33 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। यह तारामंडल इलाके के दो हिस्सों को जोड़ता है।

तारामंडल इलाके का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ और सुविधाओं की कमी के कारण लोग कभी वहाँ बसने से हिचकिचाते थे। उन्होंने कहा, आज, यह शहर के सबसे विकसित और महंगे आवासीय इलाकों में से एक के रूप में उभरा है, और साथ ही यह भी जोड़ा कि यह पुल आंतरिक कनेक्टिविटी को और मज़बूत करेगा। सांसद रवि किशन ने कहा कि गोरखपुर नियोजित शहरी विकास का एक मॉडल बन गया है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुल निर्माण में लगे मजदूरों से भी बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

असम विधानसभा चुनाव: भाजपा की वोट हिस्सेदारी 4.6 प्रतिशत बढ़ी, 22 सीटों का इजाफा

गुवाहाटी/भाषा। सोमवार को आए चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम में दलों की वोट हिस्सेदारी संबंधी निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि असम में भाजपा के पक्ष में 4.6 प्रतिशत अधिक मत पड़ने से उसे 2021 के मुकाबले 22 ज़्यादा सीटें मिलीं और उसने कुल 82 सीटों पर जीत हासिल की। दूसरी ओर, कांग्रेस की वोट हिस्सेदारी में मामूली 0.17 प्रतिशत अंकों की बढ़ोतरी हुई लेकिन पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले उसकी सीटों की संख्या 10 कम होकर इस बार 19 रह गई। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 102 सीटें जीतीं, जो अब तक का उसका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा में बहुमत के लिए ज़रूरी 64 सीटों के आंकड़े से काफी ज़्यादा है।

आयोग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सत्ताधारी भाजपा को इस चुनाव में पड़े कुल वोटों का 37.81 प्रतिशत हिस्सा मिला, जिससे उसे 82 सीटों पर जीत हासिल हुई। 2021 में उसकी वोट हिस्सेदारी 33.21 प्रतिशत थी जब उसने 60 सीटें जीती थीं। विपक्षी कांग्रेस की वोट हिस्सेदारी पांच साल पहले के 29.67 प्रतिशत से बढ़कर 29.84 प्रतिशत हो गई लेकिन पिछली विधानसभा में उसके विधायकों की संख्या 29 थी जो इस बार घटकर 19 रह गई।

उत्तराखंड में गंगा के मुख्य प्रवाह में कोई प्रदूषित क्षेत्र नहीं: सी.आर. पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने मंगलवार को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में नमामि गंगे परियोजनाओं की समीक्षा की और कहा कि गंगा का निर्बाध व स्वच्छ प्रवाह सुनिश्चित करने का मिशन ठोस परिणाम दे रहा है। पाटिल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर समीक्षा के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा कि उत्तराखंड में गंगा के मुख्य प्रवाह में कोई प्रदूषित क्षेत्र नहीं है।

पाटिल ने लिखा, गंगा नदी के निर्बाध प्रवाह, स्वच्छता और संरक्षण के लिए किए गए संकल्प ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने लिखा, इस दिशा में उत्तराखंड में गंगा के मुख्य प्रवाह में किसी भी प्रदूषित हिस्से का न होना एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि समीक्षा के दौरान उत्तराखंड में गंगा में बहने वाले नालों को पूरी तरह से रोकने, मलजल शोधन अवसंरचना को और मजबूत करने तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। पाटिल ने कहा कि कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी जैसे उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों में परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने समीक्षा में भाग लिया।

लड़कियों को अगवा कर बेचने वाले गिरोह का फरार सदस्य गिरफ्तार

भदोही (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के भदोही पुलिस ने लड़कियों का अपहरण कर उनसे सामूहिक बलात्कार करने के बाद उन्हें बेच देने वाले अंतर्राज्यीय संगठित गिरोह के फरार सदस्य को मेरठ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया कि ज्ञानपुर थाने में एक महिला ने 15 अक्टूबर की दोपहर बाजार गई उसकी 16 साल की बेटी के वापस नहीं लौटने पर 22 अक्टूबर को अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।

त्यागी ने बताया कि विवेचना में सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से भदोही निवासी संतोष यादव, बिजनौर की रहने वाली ऊषा सिंह, मेरठ के निवासी आकाश गुप्ता और राजस्थान के रहने वाले रोहतास बावरिया के ऐसे संगठित गिरोह का खुलासा हुआ जो महिलाओं या नाबालिग लड़कियों अपहरण कर उन्हें अलगअलग जिलों में ले जाकर उनसे सामूहिक बलात्कार करते और फिर उन्हें बेच देते हैं।

उन्होने बताया कि मामले में चारों को 12 नवम्बर 2025 को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था और उन पर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्यवाही की थी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में बंद आकाश गुप्ता जमानत पर बाहर आने के बाद फरार हो गया था। उन्होंने बताया कि आकाश ने अगवा की गई नाबालिग लड़की को दो लाख रुपए में ऊषा सिंह से लेकर कई दिन तक उसे अपने पास रखा और वह खुद तथा धन लेकर हवस मिटाने के लिए अन्य लोगों को भी सौंप देता था।

त्यागी ने बताया कि आकाश नाबालिग पीड़िता को बेचने की फिराक में था तभी पुलिस ने उसे मुक्त करा लिया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आकाश को सोमवार को मेरठ से गिरफ्तार किया गया और ट्रांजिट रिमांड पर मंगलवार भदोही लाकर जेल भेज दिया गया।

हम सक्रिय विपक्ष की भूमिका निभाएंगे, लोगों से जुड़े मुद्दे उठाएंगे: गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। असम में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन के एक दिन बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस राज्य में सक्रिय विपक्ष की भूमिका निभाएगी और लोगों से जुड़े मुद्दे उठाएगी। गुवाहाटी में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में गोगोई ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार की गतिविधियों पर नजर रखेंगे और अगर कोई जनविरोधी नीति अपनाई जाती है, तो उसका विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, हम लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए एक सक्रिय विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे।

गोगोई ने कहा कि कांग्रेस लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए एक बार फिर उनके बीच जाएगी और फिर पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा, हम भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कामकाज पर नजर रखेंगे। अगर कोई जनविरोधी रुख अपनाया गया, तो हम आवाज उठाएंगे। गोगोई ने कहा कि वह असम विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन के कप्तान थे और उसकी करारी हार की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं। यह पूछे जाने पर कि पार्टी और विपक्षी गठबंधन कहां विफल रहे, गोगोई ने कहा, अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या गलत हुआ। हम आने वाले दिनों में नतीजों का विस्तृत विश्लेषण करेंगे। कांग्रेस ने 126 सदस्यीय असम विधानसभा की 99 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से उसे महज 19 सीट पर जीत हासिल हुई। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 102 सीट पर जीत दर्ज की।

भाजपा ने राहुल गांधी की टिप्पणियों पर निशाना साधा, इंडिया गठबंधन के बिखरने का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निर्वाचन आयोग और ईवीएम के खिलाफ लगाए गए उनके आरोपों को लेकर पाखंड करने का आरोप लगाया और दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद 'इंडिया' गठबंधन पूरी तरह से बिखर गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में आरोप लगाया कि गांधी हार के बाद ही चुनावी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जहां उनकी पार्टी जीतती है वहां परिणाम स्वीकार कर लेते हैं। उन्होंने कहा, ''यह राहुल गांधी का सरासर पाखंड और बेशर्मी है। उनकी पार्टी ने केरल में चुनाव जीता है, जहां एसआईआर हुआ था और ईवीएम से चुनाव हुए थे। वहां चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष थे और यह जनता का फैसला था। अब वह पश्चिम बंगाल और असम में ईवीएम और निर्वाचन आयोग को पाखंडी तरीके से दोषी ठहरा रहे हैं। पूनावाला ने गांधी पर बिना सबूत के बार-बार आरोप लगाने को लेकर भी हमला बोला और कहा कि अदालतों ने ऐसे दावों को सही नहीं ठहराया है। उन्होंने कहा, ''आपने बिहार में वोट चोरी और मतदाता सूची से नाम हटाने के मुद्दे पर पूरा अभियान चलाया, लेकिन उच्चतम न्यायालय को कोई भी सबूत नहीं दे सके।'' भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि ऐसे दावे जवाबदेही से बचने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आप चुनाव हारने पर हर बार निर्वाचन आयोग पर यही आरोप लगाते हैं। ये चुनाव के बाद (गांधी) परिवार को जवाबदेही से बचाने के लिए दिया जाने वाला बहाना है... लेकिन अदालत में किसी भी चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी का कोई सबूत पेश नहीं किया गया है।''

बंगाल के नतीजे मनमाने ढंग से तय किए गए हैं : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया है कि नतीजे मनमाने ढंग से तय किए गए हैं और कहा कि मुख्यमंत्री का चयन भी इसी के अनुरूप होगा।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल में जब परिणाम मनमर्जी से निकाला गया है तो भाजपाई परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री भी मनमर्जी से ही बनेगा।'' यादव की टिप्पणी ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के पश्चिम बंगाल में सत्ता खोने के बाद आई है। तृणमूल सरकार के गिरने के बाद राज्य में पहली बार भाजपा के लिए सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है ।

प. बंगाल विस चुनाव : अधिक आर्थिक सहायता के वादे और बदलती सोच ने महिला वोट को नया रूप दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में महिलाओं की चुनावी पसंद को नया आकार देने में अधिक आर्थिक सहायता राशि के वादे और मतदाताओं के रुझान में बदलाव ने संभवत: महत्वपूर्ण भूमिका निभायी जिसके कारण विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से करारी हार का सामना करना पड़ा।

राज्य के मतदाताओं में से लगभग आधी संख्या महिलाओं की है और उन्हें लंबे समय से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की एक मजबूत ताकत माना जाता रहा है। तृणमूल कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले 'लक्ष्मीर भंडार' योजना के तहत वित्तीय सहायता बढ़ा दी जिसे सत्तारूढ़ पार्टी का महिलाओं के लिए राजनीतिक रूप से सबसे प्रभावशाली कल्याणकारी कार्यक्रम माना जाता था। सामान्य वर्ग के लिए यह सहायता 1,500 रुपए प्रति माह और आरक्षित वर्ग के लिए 1,700 रुपए प्रति माह कर दी गई।

भाजपा ने अपने घोषणापत्र में प्रस्तावित 'अन्नपूर्णा' योजना के तहत 3,000 रुपए की मासिक सहायता देने का वादा किया था जिससे संभव है कि तृणमूल की महिला मतदाताओं के बीच उसकी उल्लेखनीय पैठ बनी।

तृणमूल कांग्रेस ने 2011 से ही चुनाव में महिला मतदाताओं की अधिक भागीदारी पर जोर दिया है।

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, इस वर्ष के पहले चरण के मतदान में 152 निर्वाचन क्षेत्रों में महिलाओं की मतदान दर 92.69 प्रतिशत रही, जो पुरुषों की 90.92 प्रतिशत मतदान दर से अधिक है।

हालांकि, दूसरे चरण के मतदान के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं जिसमें 142 सीट पर मतदान हुआ था।

शुभेंदु ने 'विकसित और सुरक्षित' बंगाल बनाने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार चुनावी जीत के एक दिन बाद मंगलवार को इसके वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में पार्टी की नई सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए एक 'विकसित, समृद्ध और सुरक्षित' राज्य के निर्माण का संकल्प लिया।

'एक्स' पर पोस्ट में अधिकारी ने राज्य की जनता को 'भारी समर्थन' के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि नई सरकार जनसेवा और समावेशी विकास को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा, ''भाजपा एक विकसित, समृद्ध और सुरक्षित पश्चिम बंगाल के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने वादों को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। सभी के साथ मिलकर, हम एक स्वस्थ, सुंदर और विकसित राज्य का निर्माण करेंगे। राज्य की जनता की सेवा करना नई सरकार का प्राथमिक लक्ष्य होगा।'' भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताने के लिए मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और जनादेश को 'प्रत्येक राष्ट्रवादी और प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता' की जीत बताया। अधिकारी ने चुनाव प्रक्रिया के संचालन के लिए निर्वाचन आयोग, सरकारी अधिकारियों, केंद्रीय बलों और राज्य एवं कोलकाता पुलिस के कर्मियों को धन्यवाद दिया। भाजपा ने 293 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस को करारी शिकस्त दी और राज्य में उसके 15 साल के शासन का अंत कर दिया। हालांकि, पार्टी ने अभी औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान संकेत दिया था कि अगला मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल का ही निवासी होगा।

पश्चिम बंगाल: भाजपा के खाते में एक सीट और जुड़ी, कुल संख्या 207 हुई

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त करने के एक दिन बाद मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सीटों की संख्या बढ़कर 207 हो गई। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की सीटों की यह संख्या राजारहाट-न्यू टाउन सीट पर वोटों की दोबारा गिनती होने के बाद पार्टी को मिली जीत के कारण हुई, जिसने पहले से ही ऐतिहासिक माने जा रहे इस चुनावी फैसले में नाटकीयता का एक और पहलू जोड़ दिया। यह अतिरिक्त सीट तब मिली जब भाजपा उम्मीदवार पीयूष कनोडिया ने वोटों की दोबारा गिनती होने के बाद, तृणमूल कांग्रेस के दो बार के विधायक तापस चटर्जी को महज 309 वोटों के मामूली अंतर से हरा दिया। इस जीत ने पार्टी की कुल सीटों की संख्या को 206 से बढ़ाकर 207 कर दिया। वोटों की गिनती के 18 दौर पूरे होने के बाद, कनोडिया को 1,06,564 वोट मिले जबकि चटर्जी को 1,06,255 वोट मिले। चुनाव आयोग के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि भाजपा उम्मीदवार को जल्द ही औपचारिक रूप से विजयी घोषित कर दिया जाएगा। यह नतीजा सोमवार को आए निर्णायक जनादेश के बाद आया है जिसमें भाजपा ने दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा पार करते हुए तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया और राज्य में पहली बार सत्ता हासिल की।

प. बंगाल विधानसभा चुनाव

मत प्रतिशत में 8 फीसदी की वृद्धि से भाजपा ने पिछले चुनाव के मुकाबले 130 सीटें ज्यादा जीतीं : विश्लेषक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मत-प्रतिशत में लगभग आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे पार्टी को इस बार राज्य में अतिरिक्त 130 सीट हासिल करने में मदद मिली तथा तृणमूल कांग्रेस को राज्य में भारी हार का सामना करना पड़ा। निर्वाचन आयोग के आंकड़े यह कहानी बयां कर रहे हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि मत-प्रतिशत में इस स्तर की वृद्धि तभी संभव हो सकी है जब हिंदू एकजुट हुए, साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय के मतों में भी कुछ हद तक बिखराव देखने को मिला। मतदान आंकड़ों की शुरुआती व्याख्या यह भी बताती है कि जिन सीट पर मतदान 85 प्रतिशत से अधिक था, वहां भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की, जबकि जिन सीट पर 95 प्रतिशत या उससे अधिक मतदान हुआ, वहां दोनों प्रमुख दलों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा को इस बार 45.84 प्रतिशत वोट मिले, जो 2021 के मुकाबले 7.87 प्रतिशत अधिक हैं। उस वक्त भाजपा को 37.97 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बढ़ोतरी के चलते पार्टी ने विधानसभा में 207 सीट हासिल कीं, जबकि पिछली बार उसे केवल 77 सीट मिली थीं।

तृणमूल कांग्रेस के नजरिये से, उसका मत प्रतिशत 2021 के 48.02 प्रतिशत से घटकर 40.8 प्रतिशत रह गया, यानी 7.22 प्रतिशत की गिरावट। इसका बड़ा असर सीट की संख्या पर पड़ा और पार्टी की सीट 215 से घटकर 80 रह गईं, यानी तृणमूल को 135 सीट का नुकसान हुआ।

ईडी ने कोलकाता पुलिस के डीसीपी शांतनु के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में कोलकाता पुलिस के उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह लुकआउट नोटिस बिस्वास द्वारा ईडी की ओर से जारी किए गए कई समन को नजरअंदाज करने के बाद जारी किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि बिस्वास द्वारा भारत छोड़ने के किसी भी संभावित प्रयास को रोकने के लिए नोटिस को हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य जगहों पर वितरित किया गया है। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उन्हें पांच बार एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए नोटिस भेजा गया था, लेकिन वे एक बार भी उपस्थित नहीं हुए। उनकी ओर से लगातार असहयोग को देखते हुए, हमें संदेह है कि वह विदेश जाकर जांच से बचने की कोशिश कर सकते हैं।''

केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया कि उसकी जांच के दौरान बिस्वास ने अपने खिलाफ जारी किए गए कई समन का पालन नहीं किया।

रोहित चोट से जल्दी उबर जाते तो मुंबई की स्थिति इस समय बेहतर होती: हरभजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि अगर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से जल्दी उबर जाते तो मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की बेहतर स्थिति में होती।

रोहित ने चोट से उबरने के बाद सोमवार को यहां वापसी की और 84 रन की तूफानी पारी खेली। इससे उनकी टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 229 रन का लक्ष्य हासिल करके छह विकेट से जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित 12 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आने के कारण बाहर हो गए थे और इसके बाद पांच मैचों में नहीं खेल पाए थे।

हरभजन ने जियोहॉटस्टार से कहा, मैदान पर रहना महत्वपूर्ण होता है। डगआउट में बैठे रहने से आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। लेकिन मैदान पर रहकर आप अंतर पैदा कर सकते हैं और रोहित शर्मा ने यही किया।'' उन्होंने कहा, ''बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मजबूत नींव की जरूरत होती है और उन्होंने न सिर्फ अच्छी नींव रखी बल्कि उसे आगे भी बढाया। अगर उन्होंने शतक बना लिया होता तो और भी अच्छा होता, लेकिन जितने समय तक वह क्रीज पर रहे, उन्होंने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया।'' हरभजन ने कहा, काश उनकी चोट थोड़ी जल्दी ठीक हो जाती। कौन जानता है, जब उनकी टीम लगातार हार रही थी तो हो सकता था कि वह एक-दो मैच जीत लेते और प्रतियोगिता में बने रहते।'' इसी बीच भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि एलएसजी को लगातार अच्छा प्रदर्शन नही कर पाने की कीमत चुकानी पड़ी।

भारत आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। तीन बार के विश्व कप विजेता भारत ने मंगलवार को आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा जबकि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

भारत मार्च में इतिहास रचते हुए टी20 विश्व कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बना था। साथ ही टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह खिताब जीता था। भारत ने श्रीलंका के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ''नवीनतम रैंकिंग में मई 2025 के बाद खेले गए सभी मुकाबलों को शत प्रतिशत और उससे पिछले दो वर्षों के मुकाबलों को 50 प्रतिशत भार दिया गया है।'' आईसीसी ने कहा, ''275 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज भारत की इंग्लैंड (262 अंक) पर बढ़त एक अंक कम हुई है जबकि ऑस्ट्रेलिया 258 अंक के साथ तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के और करीब आ गया है।'' दो बार के विजेता इंग्लैंड के 262 जबकि एक बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के 258 अंक हैं। आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष सात टीम की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड (247), दक्षिण अफ्रीका (244), पाकिस्तान (240) और वेस्टइंडीज (233) अपने-अपने स्थानों पर बरकरार हैं। हालांकि श्रीलंका (221) को छह रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है। वहीं बांग्लादेश (225) एक स्थान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान (220) 10वें स्थान पर है और श्रीलंका तथा उसके बीच का अंतर बहुत कम है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर हैं। आईसीसी ने कहा, ''उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट की उभरती हुई शक्ति अमेरिका ने छह अंक हासिल करते हुए दो स्थान की छलांग लगाई है।

सुविचार

परिंदों को मंजिल मिलेगी यकीनन, ये फैले हुए उनके पर बोलते हैं, वो लोग रहते हैं खामोश अक्सर, जमाने में जिनके हुनर बोलते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अजेय होने का भ्रम न पालें

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया निराशाजनक है। वरिष्ठ नेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे शब्दों का चयन सोच-समझकर करेंगे और चुनाव हार जाने के बाद अपनी गलतियों को स्वीकार करेंगे। भारत में बड़े-बड़े नेता चुनाव हारे हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग को अपनी हार का जिम्मेदार ठहराया है, वह अनुचित है। अगर वे पिछले डेढ़ दशक में अपनी सरकार और पार्टी के कारनामों पर गौर करतीं तो आज उनका जवाब कुछ और होता। देश में यह खतरनाक चलन जोर पकड़ता जा रहा है। नेताओं का एक वर्ग जब चुनाव जीतता है तो उसे सबकुछ ठीक दिखता है। अगर वह भविष्य में चुनाव हार जाता है, तब या तो ईवीएम में दोष ढूंढ़ता है या चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराता है। ममता बनर्जी को साल 2011, 2016 और 2021 में सबकुछ ठीक लगा, क्योंकि तब तृणकां सत्ता में आई थी। फिर, साल 2026 में ऐसा क्या हो गया? नेताओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता ही निर्णायक शक्ति होती है। अगर आपको एक या इससे ज्यादा बार कुर्सी मिल गई तो इसका यह मतलब नहीं कि वह आपके नाम लिख दी गई है। प्राय: कई नेताओं को अहंकार हो जाता है। वे चुनाव पर चुनाव जीतते जाते हैं तो इस भ्रम के शिकार हो जाते हैं कि 'हम हमेशा जीतते रहेंगे, हम किसी को भी जिता या हरा सकते हैं, हमें कोई शिकस्त नहीं दे सकता।' उनका यह भ्रम तब टूटता है, जब चुनाव में करारी हार मिलती है। तब उन्हें व्यवस्था में कमियां दिखाई देने लगती हैं। वे यह नहीं देखते कि सबसे बड़ी कमी खुद की कार्यशैली में थी। नेताओं को सत्ता जनता की सेवा करने के लिए मिलती है। वे खुद को अजेय समझने की भूल न करें। जब जनता ठान लेती है तो बड़े-बड़े धुरंधरों को दिन में तारे दिखा देती है।

इन चुनाव नतीजों के बाद बांग्लादेशी मीडिया बेसुरा राग क्यों अलाप रहा है? क्या उसे इस बात का डर सता रहा है कि अब सीमा नीति सख्त हो सकती है? हाल में एक बांग्लादेशी नेता ने तो इस मुद्दे पर खुलकर अपनी चिंता जाहिर की थी कि 'प. बंगाल में भाजपा सरकार बनने पर लोगों (घुसपैठियों) को वापस धकेला जा सकता है।' सवाल है- बांग्लादेशियों का बोझ भारत क्यों उठाए? उनके पास अलग देश है। उन्हें वहां रहना चाहिए। अगर कोई बांग्लादेशी नागरिक भारत आना चाहता है तो उसे सभी नियमों का पालन करना होगा। अगर अवैध तरीके से आएगा तो कार्रवाई का सामना करना होगा। तृणकां के शासन में घुसपैठियों के लिए आनंद के दिन थे। अब उन्हें वापस भेजे जाने का डर सता रहा है। केंद्र सरकार और प. बंगाल की नई सरकार को एक बात का विशेष ध्यान रखना होगा। भविष्य में जब अवैध बांग्लादेशियों को निकालने की बात होगी तो कथित बुद्धिजीवियों का एक वर्ग न्यायालय का द्वार खटखटाएगा। वह इस प्रक्रिया को विफल करने के लिए पूरा जोर लगाएगा। उस समय सरकार को अपना पक्ष मजबूती से रखना होगा। घुसपैठियों के पक्ष में करुणा का माहौल बनाने की कोशिश हो सकती है, जिसकी असलियत दृढ़ता से बतानी होगी। याद करें, पिछले साल पहलगाम हमले के बाद जब पाकिस्तानियों को निकाला जा रहा था, तब कुछ लोग उनके पक्ष में माहौल बनाने में जुटे थे। वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे थे कि लोग इतने वर्षों से रह रहे हैं तो उन्हें यहीं रहने दिया जाए! ऐसे कथित क्रांतिकारी भविष्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए भी यही तर्क दे सकते हैं। क्या वर्षों से किसी के मकान पर अवैध कब्जा करके बैठने से वह उसका हो जाता है? क्या उसके पक्ष में यह कहना सही है कि अब यह कहां जाएगा, इसका अवैध कब्जा बरकरार रहने दें? जो अवैध बांग्लादेशी आए थे, उन्हें किसी ने पीले चावल भेंट कर न्योता नहीं भेजा था। वे अपने जोखिम पर आए थे। अब 'घर' लौटने के दिन आ गए हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों को सख्त संदेश देना बहुत जरूरी है। अगर अब सरकार ऐसा नहीं कर पाई तो घुसपैठियों का दुस्साहस बहुत बढ़ जाएगा।

ट्वीटर टॉक

होशियार सिंह जी ने युद्ध के मैदान में अदम्य साहस, धैर्य और असाधारण नेतृत्व का परिचय देते हुए ऐसी वीरता दिखाई जो भारतीय सेना के गौरव का प्रतीक बन गई। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने अपने कर्तव्य से पीछे हटने से इनकार कर दिया।

-ओम बिरला

राहुल गांधी बिल्कुल सही कह रहे हैं, यह विचारधाराओं की लड़ाई है। भारत को कांग्रेस की ज़रूरत है। भाजपा ने इतने ज़्यादा रिसोर्स जमा कर लिए हैं कि अब यह विपक्षी सरकारों के बने रहने और लंबे समय तक चलने का फ़ैसला करता है।

-अशोक गहलोत

मैंने गुलाबगंज में 101 बेटियों के लिए आयोजित बड़े कन्या विवाह सम्मेलन में हिस्सा लिया, और अपनी सभी प्यारी भतीजियों को अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। मैं गुलाबगंज में खुद मौजूद रहन और खुद जाकर उन्हें आशीर्वाद देने के लिए बहुत उत्सुक था।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता।

सामयिक

बंगाल की आंधी के बाद पंजाब की बारी?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

पश्चिम बंगाल में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश हाई है। दिल्ली समेत देश के तमाम राज्यों में स्थित भाजपा कार्यालयों में जीत का जश्न मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी भी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के जश्न में शामिल हुए व साथ कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। इस बीच पश्चिम बंगाल में मिली बढ़त के बीच भाजपा ने इस प्रदर्शन को राजनीतिक हथियार बनाना शुरू कर दिया है क्योकि बंगाल में बीजेपी की मजबूत स्थिति को पार्टी बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देख रही है। यह प्रदर्शन न केवल राज्य की राजनीति में असर डाल सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बीजेपी की रणनीति को मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

चुनाव नतीजों के बाद जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए पंजाब के भाजपा नेताओं ने इस बात को दोहराया कि यदि कड़ी मेहनत से पश्चिम बंगाल में असंभव को संभव किया जा सकता है तो उसी तरह की मेहनत पंजाब में भी जीत दिलाएगी। प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ ने तो कार्यकर्ताओं को 2027 के लिए कमर कस लेने की बात कहते कहा कि पार्टी का अगला फोकस पंजाब पर ही रहना है। यही नहीं बंगाल की जीत पंजाब के लिए कई मायनों में अहम है। माना जा रहा है कि इस जीत के बाद भाजपा नेतृत्व का पूरा ध्यान अब पंजाब के 2027 में होने वाले चुनाव पर रहेगा। ऐसे में आगामी दिनों में पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार के बीच टकराव और बढ़ने के भी आसार बन सकते हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगातार आप और केंद्र की भाजपा सरकार के बीच किसी न किसी मुद्दे को लेकर टकराव बना रहा है, फिर भले ही वह पानी का मुद्दा हो, आरडीएफ न देने की बात हो, बीबीएमबी का मुद्दा हो या फिर बाढ़ राहत के लिए पैसे नहीं देने की बात हो। हर मामले में दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप जारी रहे हैं।

भाजपा के प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब की बारी! -- अपना बोरिया-बिस्तर बांध लो!' इस बयान से साफ है कि भाजपा इस बढ़त को अन्य राज्यों में भी सियासी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। इससे पहले, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिटटू ने कहा कि बंगाल के बाद पंजाब में तख्तापलट की बारी है। वहीं पंजाब भाजपा ने भी सोशल मीडिया (द) पर पोस्टर जारी कर लिखा- बंगाल के बाद पंजाब की बारी, भाजपा की है पूरी तैयारी। भाजपा के उत्साहित नेताओं की बयानबाजी को लेकर आप सरकार चला रहे मुख्यमंत्री भगवंत ने पलटवार किया करते हुए कहा कि ये शेखचिल्ली के सपने हैं। पंजाब में इगझ को वोट नहीं मिलेंगे। पंजाबी जिस बात पर अड़ गए, उस पर अड़ गए।

बताया जाता है कि भाजपा जैसे बंगाल जीत गई। अब वह पंजाब में भी साम-दाम-दंड-भेद की नीति अपनाएगी। भाजपा के लिए बंगाल की तरह पंजाब भी सियासी कामयाबी की बड़ी पहेली रहा है। ऐसे में अब बंगाल का फॉर्मूला पंजाब में भी लागू होगा।यह भी सही है कि भाजपा की बंगाल जीत के बाद आप में टूट का खतरा बढ़ेगा। विधायक समझेंगे कि अगर भाजपा बंगाल में सरकार बना सकती है तो पंजाब में भी चौंका सकती है। उनका भरोसा बढ़ेगा और टूट के मौके ज्यादा बनेंगे। इसमें आप छोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चडढा और संदीप पाठक उनके बड़े हथियार बन सकते हैं।पर यह भी बताया जाता है कि अभी ये टूट नहीं होगी। अगर अभी कोई टूटकर गया तो आप सरकार उसे नहीं छोड़ेगी। रेड होंगी या फिर केस भी हो सकता है। फिर जमानत के चक्कर या फिर जेल जाना होगा। जैसा कि आप छोड़ने वाले राज्यसभा सांसदों के साथ हुआ।इसमें राजिंदर गुप्ता पर रेड हुई, राघव चडढा और हरभजन सिंह की सिक्योरिटी वापस ले ली, संदीप पाठक पर भी एफआईआर की चर्चा है। ऐसे में कोई रिस्क नहीं लेगा। असली टूट चुनाव आने के 1-2 महीने के पहले होगी। बताया यह भी जाता है कि बंगाल में भाजपा जीत गई, इसका इंपैक्ट बिल्कुल पंजाब में दिखेगा। बंगाल के बाद भाजपा पंजाब में भी चौंकाने वाली परफॉर्मेंस दिखा सकती है। ऐसा भी लग रहा है कि पंजाब में संघ भी चुनाव में भाजपा की प्लानिंग को लेकर एक्टिव है।भाजपा पंजाब को बंगाल के बाद रिजल्ट के बाद ज्यादा सीरियस लेगी।

अब वह ये मानेगी कि अगर बंगाल फतेह हो सकती है तो पंजाब भी इंपासिबिल नहीं है। इसके लिए भाजपा डेरा फैक्टर की गोटियां भी सेट कर रही है। इसमें डेरा बल्लां हो या ब्सास व डेरा सच्चा सौदा, तीनों जगह भाजपा संपर्क में है। हालांकि, इसका वोट बैंक पर कितना असर होता है, यह कभी सामने नहीं आता, लेकिन एक परसेप्शन जरूर भाजपा बनाने की कोशिश कर रही है। बंगाल चुनाव से बड़ा मैसेज कांग्रेस के लिए भी आ रहा है। यहां सिर्फ भाजपा और ढ्यउ के बीच फाइट दिखी, लेकिन कांग्रेस डबल फिगर के आंकड़े तक नहीं पहुंची। पंजाब में भी अगर भाजपा का वोट शेयर बढ़ा तो कांग्रेस-आप को डेंट लग सकता है। ऐसा भी संभव है कि 2027 में पंजाब का चुनावी मुकाबले का शोर आप और भाजपा के बीच का ज्यादा हो।

कुछ लोगों का कहना है कि बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत पंजाब की चुनावी राजनीति को तय करेगी। भाजपा बंगाल जीत गई, अब 2027 में भाजपा मिशन पंजाब को इनडेप्थ तरीके से लागू करेगी।जो फॉर्मूला बंगाल में कामयाब रहेगा, उसे पंजाब के लिहाज से भी देखा जाएगा। विधानसभा चुनाव नजदीक आने पर आप में भी टूट दिखाई दे सकती है। यही वजह है कि अभी राघव चडढा और संदीप पाठक पंजाब को लेकर बहुत एक्टिव नजर नहीं आ रहे। अभी बैकएंड प्लानिंग होगी, फिर भाजपा मैदान में आएगी और पंजाबियों को यकीन दिलाएगी कि बंगाल में लोगों ने भरोसा किया तो इस बार पंजाब को भी भाजपा को मौका देना चाहिए। पंजाब भाजपा के प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा कि मेरा मानना है कि समझदार लोग बंगाल और पंजाब दोनों जगह रहते हैं। जब बंगाल और पंजाब के बीच तुलना की जाती है, तो वे आमतौर पर कानून-व्यवस्था और बेरोजगारी को लेकर होती है, और बंगाल के मामले में, आतंकवाद और गैंगस्टरवाद को लेकर। वहीं मुख्य मंत्री भगवंत मान का कहना है कि बंगाल में भाजपा आ गई। असम में पहले ही भाजपा थी। पंजाब में अभी तो बदलाव हुआ है। पंजाब को लेकर भाजपा सोचे ना कि ऐसा कुछ कर लेंगे। हम पंजाबी हैं, जिस बात पर अड़ गए, उस पर अड़ गए। पंजाब का भाजपा ने बहुत नुकसान किया। आरडीएफ का पैसा रोक लिया। 700 किसान शहीद कर दिए। हर बात पर हमसे लड़ते हैं।

बताते है कि अब इस बात की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि आगामी दिनों में सीबीआइ और ईडी की ओर से पंजाब में विभिन्न मामलों की जांच में तेजी आए। माना जा रहा है कि इस जांच की आंच में कई बड़े प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी आ सकते हैं।ऐसे में केंद्र सरकार पंजाब में तैनात प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को भी संवैधानिक तौर पर कार्य करने संकेत दे सकती है। सीबीआई की ओर से गिरफ्तार निलंबित डीआइजी हरचरन सिंह भुल्लर के मामले में जांच में तेजी को भी इसी रूप में देखा जा रहा है। सीबीआइ इस मामले की जांच के लिए बड़े आइएएस-आइपीएस अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाने का सिलसिला भी शुरू कर सकती है।

नजरिया

बंगाल विजय : संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

इस पूरे परिश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक ष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रहा है और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बना है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर निःशब्द 'विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया।

निश्चित तौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला।

इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया।

यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और शहनाज़ गिल महाराष्ट्र के मुंबई जिले में वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर पेड़ लगाने के कैंपेन में शामिल हुईं।

मराठवाड़ा के चार ज़िलों के 92 गांव अब पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों पर निर्भर

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के तीन जिलों के 92 गांव अब पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों पर निर्भर हैं। एक रिपोर्ट से यह जानकारी प्राप्त हुई है। विभागीय आयुक्त कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार तक छत्रपति संभाजीनगर, जालना, लातूर और हिंगोली जिलों के 92 गांवों और 36 बस्तियों में 156 टैंकरों के ज़रिए पानी की आपूर्ति की जा रही है।

छत्रपति संभाजीनगर ज़िले में सबसे ज़्यादा 71 गांव और 14 बस्तियां हैं, जहां टैंकरों के ज़रिए पानी पहुंचाया जा रहा है। विडंबना यह है कि इसी ज़िले में जायकवाड़ी बांध स्थित है, जो पैठन में गोदावरी नदी पर बने देश के सबसे बड़े तटबंध में से एक है।

रिपोर्ट के अनुसार, 38 टैंकर पड़ोसी जालना जिले के 19 गांवों और 20 बस्तियों को पानी उपलब्ध करा रहे हैं जबकि लातूर के दो गांवों और हिंगोली जिले की एक बस्ती को टैंकरों के माध्यम से पानी मिल रहा है। प्रशासन ने पानी की आपूर्ति के लिए मराठवाड़ा के सात ज़िलों में कई निजी कुओं को भी अधिग्रहित किया है।

जश्न

भाजपा कार्यकर्ता मंगलवार को कुल्लू के ढालपुर चौक पर असम, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी की चुनावी जीत का जश्न मनाते हुए।

अदा शर्मा ने बताया अपनी सफलता का पैमाना, कहा- बॉक्स ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थायी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए यह मायने रखता है कि वह अपने अभिनय से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ पा रही हैं। जब अदा शर्मा से पूछा गया कि करियर के इस पड़ाव पर वह सफलता को कैसे मापती हैं, तो उन्होंने जवाब में को बताया, बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह है जो चिल्लाता है 'द केरल स्टोरी ने 375 करोड़ कमाए, यह फिल्म महिला प्रधान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है', और निश्चित रूप से जब ऐसा होता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार भी महसूस करती हूं, लेकिन आपके काम की आलोचनात्मक समीक्षा उस बुद्धिमान मित्र की तरह है जो ज्यादा नहीं बोलता, लेकिन जब वह तारीफ करता है तो आपको ऐसा लगता है जैसे आपने कोई परीक्षा पास कर ली है। 2008 में हिंदी हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस किया था। अभिनेत्री ने आगे कहा, संख्याएं और राय आती-जाती रहती हैं; मेरे लिए जो मायने रखता है वह यह है कि दर्शक दृश्यों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, प्रदर्शन और संवादों को कैसे याद रखते हैं।

द केरल स्टोरी से अपार सफलता हासिल करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि उनके प्रशंसक आज भी 1920 और सनफ्लावर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, मुझसे मिलने वाले बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि 1920 ने उन्हें कैसे डरा दिया, सनफ्लावर ने उन्हें कैसे हंसाया और द केरल स्टोरी ने उन्हें कैसे रुलाया। अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म गवर्नरः द साइलेंट सेवियर की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। खबरों के मुताबिक, यह फिल्म एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने भारत के 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया और देश के वित्तीय बचाव काल से उनका गहरा संबंध था।

हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म वाकई उन्हीं पर आधारित है या नहीं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। उन्हें आखिरी बार विक्रम भट्ट की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में अनुपम खेर, इश्वक सिंह, अदा शर्मा और ईशा देओल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

प्रमोशन

सिंगर-सॉन्ग राइटर और रैपर किंग, एक्ट्रेस पलक तिवारी और डायरेक्टर हिमांक गौर महाराष्ट्र के मुंबई जिले में अपनी आने वाली सीरीज़ 'लुक्खे' के प्रमोशन के दौरान।

दुर्लभ बीमारियों के उपचार में भारत को अपने तरीके खोजने होंगे : आईसीएमआर प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय चिकित्सा आयुर्विज्ञान परिषद (आईसीएमआर) के प्रमुख डॉ राजीव बहल ने मंगलवार को कहा कि भारत को दुर्लभ बीमारियों के निदान, उपचार और रोकथाम के लिए पश्चिमी पद्धतियों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय जनसंख्या-आधारित दृष्टिकोण, निवारक रणनीतियों और स्वदेशी नवाचार पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने दुर्लभ बीमारियों से निपटने के लिए संदर्भ-विशिष्ट मॉडल विकसित करने की जरूरत भी बताई।

यहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय दुर्लभ रोग सम्मेलन को संबोधित करते हुए आईसीएमआर के महानिदेशक ने कहा कि भारत को दुर्लभ बीमारियों के निदान, उपचार और रोकथाम के लिए पश्चिमी पद्धतियों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अपने तरीके ईजाद करने होंगे। उन्होंने कहा कि विकसित देशों के पास अधिक संसाधन हैं, फिर भी भारत जनसंख्या-आधारित दृष्टिकोण, निवारक रणनीतियों और सोशल मीडिया तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे उभरते उपकरणों सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से अपनी शक्तियों का लाभ उठाकर व्यापक पहुंच बना सकता है और शीघ्र निदान में सुधार कर सकता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के सचिव बहल ने पिछले तीन दशकों में दुर्लभ रोगों के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''नब्बे के दशक में, किसी संदिग्ध दुर्लभ रोग से पीड़ित रोगी की पहचान होने पर उसकी सहायता मुश्किल होती थी, क्योंकि बीमारी का निदान अत्यंत कठिन था और उपचार के विकल्प लगभग अनुपलब्ध थे।'' उन्होंने कहा, ''आज, हालांकि उपचारों की उच्च लागत को देखते हुए प्रति रोगी 50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता भी अपर्याप्त लग सकती है, फिर भी यह उल्लेखनीय प्रगति है कि देश अब दुर्लभ रोगों से पीड़ित बच्चों को सार्थक सहायता प्रदान करने में सक्षम है।''

बहल ने कहा कि यह विकास स्वास्थ्य सेवा प्राथमिकताओं में व्यापक बदलाव को दर्शाता है, जहां न केवल सामान्य बीमारियों पर बल्कि दुर्लभ, अक्सर आनुवंशिक स्थितियों से प्रभावित लोगों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने भारत सरकार के दुर्लभ रोग कार्यक्रम को हजारों बच्चों के लिए आशा का स्रोत बताया और देखभाल प्रदान करने तथा उपचार को आगे बढ़ाने में उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि इस सम्मेलन के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हितधारकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों को समझना, नवाचारों को प्रोत्साहित करना और देश में दुर्लभ रोगों से निपटने के तरीके को सुदृढ़ करने के लिए नए विचार उत्पन्न करना है।

योग से होगा हर रोग का समाधान! शिल्पा शेट्टी ने बताया क्यों जरूरी है 'वर्तुलासन' का अभ्यास

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस और योग के प्रति समर्पण जगजाहिर है। वे योगाभ्यास के माध्यम से लचीलापन और मजबूती बनाए रखने पर जोर देती हैं। सोमवार को उन्होंने वर्तुलासन के महत्व पर जोर देते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की। पोस्ट किए गए वीडियो में अभिनेत्री 'वर्तुलासन' का अभ्यास करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट पर न सिर्फ अभ्यास करते हुए दिखाया, बल्कि इसके फायदों के बारे में भी विस्तार से बताया। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, वर्तुलासन योग की एक ऐसी मुद्रा है जो शरीर को गोलाकार स्थिति में लाती है। यह आसन हलासन के समान शरीर को लाभ देता है। इसमें शरीर को मोड़कर पीछे की ओर ले जाया जाता है, जिससे पूरी रीढ़ की हड्डी में खिंचाव आता है। उन्होंने आगे लिखा, यह थायरॉइड ग्रंथि को सक्रिय करता है, जिससे मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। पाचन क्रिया को सुधारता है और रक्त संचार को बढ़ाता है। कंधों और ऊपरी पीठ को मजबूत बनाता है।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हमेशा योग को सही तरीके से करने की सलाह देती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे स्पष्ट किया कि यदि पीठ दर्द, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल स्पोंडलोसिस या हार्निया जैसी शारीरिक समस्या है, तो इस आसन का अभ्यास करने से बचें। आयुर्वेद और योग परंपरा ने भी 'वर्तुलासन' के महत्व पर जोर दिया। उनके अनुसार, वर्तुलासन शरीर के संतुलन, पाचन और नसों को स्वस्थ रखने के लिए एक बेहतरीन आसन माना जाता है। यद्यपि यह मुख्य रूप से एक हठयोग आसन है, लेकिन इसके लाभ आयुर्वेद के त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) संतुलन के सिद्धांतों से मेल खाते हैं। इसे करने के लिए पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपने हाथों को जांघों और घुटनों के बीच जमीन पर रखें। सांस भरते हुए, अपने पूरे शरीर को हाथों के सहारे ऊपर उठाएं, संतुलन बनाएं। कुछ सेकंड इसी मुद्रा (तुला) में रुकें, फिर धीरे-धीरे वापस आएं। यह आसन पेट के अंगों को टोन करता है, जिससे पाचन शक्ति (अग्नि) में सुधार होता है और भोजन का उचित अवशोषण होता है।

नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में देरी का मुद्दा, कुनिका सदानंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

चेन्नई/एजेन्सी

अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में हो रही देरी के मुद्दे पर खुलकर बात की है। 'बिग बॉस 19' की पूर्व कंटेस्टेंट कुनिका ने कहा कि यह समस्या कई सालों से चली आ रही है और नए कलाकारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। से खास बातचीत में कुनिका सदानंद ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में तेजी आने के बाद से पेमेंट अक्सर 45 से 90 दिनों तक लेट हो जाता है। उन्होंने इसकी मुख्य वजह भी बताई। कुनिका ने कहा, चैनलों को एडवरटाइजर से पैसे देर से मिलते हैं। फिर चैनल प्रोड्यूसर को पैसे देते हैं। इस पूरे कॉर्पोरेट सिस्टम की वजह से देरी होती है। पैसा पहले एडवरटाइजर से चैनल के पास, फिर चैनल से प्रोड्यूसर के पास जाता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से देरी हो जाती है। अभिनेत्री ने इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान भी सुझाया। उन्होंने कहा कि नए कलाकारों को अपनी फीस थोड़ी ज्यादा तय करनी चाहिए, लेकिन इसमें भी दिक्कत है, क्योंकि थोड़ी ज्यादा फीस मांगने पर प्रोड्यूसर दूसरे कलाकार को चुन सकते हैं।

कुनिका ने आगे कहा, हर कलाकार की जिंदगी में एक बफर सिस्टम होना चाहिए, लेकिन यह हर समय मुमकिन नहीं होता। यह एक बहुत गंभीर समस्या है। उन्होंने बड़े प्रोडक्शन हाउस जैसे बालाजी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास पर्याप्त रिजर्व फंड होता है, इसलिए उनसे समय पर पेमेंट की उम्मीद की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब टीवी इंडस्ट्री में पेमेंट देरी का मुद्दा उठा है। इससे पहले वरुण बडोला और अर्जुन बिजलानी भी इस समस्या पर खुलकर बोल चुके हैं। कुनिका सदानंद का कहना है कि छोटे और नए कलाकारों को परेशानियों सामना करना पड़ता है। टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों के लिए समय पर भुगतान सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुनिका ने उम्मीद जताई कि प्रोड्यूसर्स और चैनल इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करेंगे ताकि नए कलाकारों को आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

प्रार्थना

वियतनाम के राष्ट्रपति टो लैम मंगलवार को गया में अपने भारत दौरे के दौरान महाबोधि मंदिर में प्रार्थना करते हुए।

'फिर वे चीजें आपकी नहीं रहती', जब करीना के 'कल हो ना हो' छोड़ने पर प्रीति जिंटा ने दी थी प्रतिक्रिया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दुनिया में कई बार ऐसी फिल्में बनती हैं, जिनसे जुड़े किस्से सालों बाद भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते हैं। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'कल हो ना हो' को लेकर भी कुछ ऐसी चर्चा लंबे समय तक बनी रही है। अब इस फिल्म से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रीति जिंटा करीना कपूर के बयान पर बेबाक तरीके से अपनी बात रखती नजर आ रही है। इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो 'कॉफी विद करण' शो का है, जिसे मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट करते हैं। बातचीत के दौरान करण जौहर ने प्रीति जिंटा से उस चर्चा पर सवाल किया, जिसमें कहा जाता रहा कि फिल्म 'कल हो ना हो' के लिए पहले करीना कपूर खान को चुना गया था। दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना कपूर को पहले यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन बात फीस को लेकर अटक गई। कहा जाता है कि करीना ने फिल्म के लिए उतनी ही फीस मांगी थी, जितनी फिल्म के स्टार शाहरुख खान को दी जा रही थी। इसके बाद मामला आगे नहीं बढ़ पाया और फिल्म प्रीति जिंटा को मिल गई। करण जौहर ने शो में प्रीति से पूछा, ''करीना इस फिल्म की पहली पसंद थीं, उनकी जगह आपको कास्ट किया गया। आपको असल में कैसा लगा?'' इस सवाल का जवाब प्रीति जिंटा ने बेहद सरल तरीके से दिया। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर कोई व्यक्ति दुकान में जाकर जींस पहनकर देखता है, लेकिन उसे खरीदता नहीं है, तो वह जींस उसकी नहीं हो जाती। लेकिन अगर बाद में कोई दूसरा व्यक्ति उसे खरीद लेता है, तो वह असल में उसी की ही कहलाती है।'' प्रीति जिंटा ने आगे कहा, ''मुझे याद है, जब आपने मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाई थी, तो मुझे हैरानी इस बात की हुई थी कि आखिर कोई इस फिल्म को करने से मना कैसे कर सकता है।

'यह चुनावी जीत नहीं, जनता से जुड़ाव का उत्सव', काजल अग्रवाल ने विजय को दी बधाई

चेन्नई/एजेन्सी

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने बुधवार को अभिनेता और राजनेता विजय को बधाई दी, जिनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों में तेजी से आगे बढ़ रही है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, विजय की टीवीके पार्टी राज्य की कुल 234 सीटों में से 105 सीटों पर आगे चल रही है और तीन सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। जैसे ही यह साफ हो गया कि विजय राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने वाले हैं, अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक्स पर पोस्ट कर विजय को बधाई दी।काजल, जिन्होंने विजय के साथ कई तमिल फिल्मों में काम किया है, ने कहा, नान ओरु थडवा सोन्ना, नूरु थडवा सोन्ना मारी और आज लोगों ने इसे पूर्ण विश्वास के साथ दोहराया है।उन्होंने कहा, अभिनेता विजय को इस शानदार और प्रभावशाली जीत पर हार्दिक बधाई।

यह क्षण आपकी दूरदृष्टि, आपके दृढ़ संकल्प और लोगों के अटूट प्रेम का सच्चा प्रमाण है।अभिनेत्री ने आगे कहा, तमिलनाडु की जनता ने खुलकर स्पष्ट रूप से और अपार गर्व के साथ अपनी बात कह दी है। यह सिर्फ एक जीत नहीं है, बल्कि लाखों लोगों के साथ एक गहरे और सशक्त जुड़ाव का उत्सव है। इस प्रेरणादायक नए अध्याय में कदम रखते हुए आपको अपार शक्ति और सफलता की शुभकामनाएं। आशा है कि आप वह बदलाव लाएंगे, जिसकी इतने सारे लोग उम्मीद कर रहे हैं। इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर एक बार फिर बधाई।

अभिनेता सरथकुमार की बेटी और अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार ने भी विजय को बधाई दी। उन्होंने लिखा, ओरु वायरल पुरची.. व्हिसल पोडु..!!! विजय वूहूहूहू....!!! जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। कई दशकों से बहुतों ने कोशिश की, लेकिन आपने साबित कर दिया कि अगर जनता चाहे तो सत्ता उनकी होती है। हमारे तमिल लोगों के लिए बदलाव और समृद्धि की कामना करती हूं। बधाई हो।

तमिल संगीत निर्देशक संतोष नारायणन भी उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री से विजय को बधाई दी। संतोष नारायणन ने एक्स पोस्ट कर लिखा, हमारे राज्य में इतिहास रचा जा रहा है। अभिनेता विजय सर को बधाई! मैंने अपने जीवनकाल में केवल द्रविड़ पार्टियों को आपस में वोट बांटते देखा है, और यह एक बेहद स्वागत योग्य बदलाव है। नतीजे अभी घोषित नहीं हुए हैं, लेकिन यह हमारे लिए पहले से ही एक ऐतिहासिक क्षण है।

जयमल जैन संस्कार शिविर में बच्चों को दिए 'याददाश्त बढ़ाने के गुर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के आशीर्वाद एवं पदमचंद्रजी की प्रेरणा से अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के अंतर्गत जय पार्श्व पद्मोदय जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में सम्पूर्ण भारत में पाँच दिवसीय जयमल जैन संस्कार शिविर आयोजित किए जा रहे है। उसी कड़ी में स्थानीय जेपीपी जैन महिला फाउंडेशनन ने सोमवार को श्रीरामपुरम स्थित जैन समणी सेंटर, बेंगलूर में जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी के सान्निध्य में शिविर का उद्घाटन हुआ। शिविर में कुल 60 बच्चों ने भाग लिया। सर्वप्रथम जय जाप से कार्यक्रम की शुरुआती हुई। समणीजी ने बच्चों को मेमोरी पॉवर को बढ़ाने और कम समय में ज्यादा याद करने के गुर सिखाए।

प्रशिक्षिकाओं ने बच्चों को ज्ञान, संस्कार संबंधित अनेक ज्ञान की बातें बताई। शिविर में नवकार मंत्र पर आधारिक एक ज्ञानवर्धक खेल बच्चों को खिलाया गया। शिविर के अनेक सहयोगी परिवार इस शिविर के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित थे।

'समकित संस्कार शिविर' में समकितमुनि ने बच्चों को दिए 'सुपरमैन' बनने के सूत्र

शिविर के तीसरे दिन बच्चों को पढ़ाया गया अनुशासन का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में 'बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026' के तत्वावधान में चल रहे आठ दिवसीय आवासीय 'समकित संस्कार शिविर' के तीसरे दिन शिविर में शामिल बच्चों ने गुरुदेव और साध्वी के प्रवचनों से अपने जीवन को उत्कृष्ट बनाने के अनमोल सूत्र प्राप्त किए। शिविर में सान्निध्य प्रदान करते हुए श्रमण संघ के संत डॉ. समकितमुनिजी ने बच्चों को संबोधित करते हुए जीवन का सच्चा 'सुपरमैन' बनने के लिए दृष्टांतों के माध्यम से तीन अचूक सूत्र प्रदान किए। ङ्कसंतश्री ने बताया कि प्रथम सूत्र है 'जो हो गया, उसे जाने दो' अर्थात दिन भर में यदि कोई ऐसी घटना हो जाए या कोई ऐसी बात हो जो हमें पसंद न आए, तो उसे पकड़ कर नहीं बैठना चाहिए।नकारात्मक बातों को अपने दिमाग में सहेज कर रखने से मन पर

भारी बोझ बन जाता है, जिससे हमारे मस्तिष्क की कार्यक्षमता क्षीण हो जाती है। जो बीत गया उसे भूलकर आगे बढ़ना ही श्रेष्ठता है। दूसरा सूत्र है 'स्वयं की कॉपी चेक करें और आत्मसुधार का संकल्प लें'। गुरुदेव ने बच्चों को समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार स्कूल में शिक्षक हमारी कॉपी चेक करते हैं, वैसे ही हमें प्रतिदिन अपने 'मन की कॉपी' स्वयं चेक करनी चाहिए। अपने आप से यह पक्का वादा करें कि कल मैंने जो गलती की थी या मन में जो गलत विचार आए थे, उन्हें आज मैं दोबारा नहीं दोहराऊंगा। अपनी गलतियों से सीखना ही सुपरमैन बनने की दूसरी सीढ़ी है। तीसरा सूत्र 'जो नियंत्रण में नहीं, उसके लिए रोना छोड़ें' अर्थात जो परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं हैं या जिन्हें हम बदल नहीं सकते, उनके लिए शोक मनाना या रोना व्यर्थ है। बीती बातों पर आंसू बहाने के बजाय अपना ध्यान नए लक्ष्यों की ओर लगाएं, कुछ नया सीखें और जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का प्रयास करें

इस पावन अवसर पर साध्वी श्री सिद्धमश्री जी ने बच्चों को 'महामंत्र नवकार' की असीम महिमा से अवगत कराया। एक अत्यंत रोचक कहानी के माध्यम से साध्वी जी ने बच्चों को प्रेरणा दी कि जीवन में चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, प्रतिदिन महामंत्र नवकार का स्मरण अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस हृदय में और जिस स्थान पर परमात्मा का नाम गूंजता है, वहां से सभी संकट, बाधाएं और परेशानियां स्वतः ही दूर हो जाती हैं।

नवकार महामंत्र हमारे जीवन का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। कार्यक्रम को और अधिक उल्लासपूर्ण बनाते हुए श्री जयवंत मुनिजी ने अपने मधुर स्वरों में 'प्रभु भक्ति गीतिका' की मनमोहक प्रस्तुति दी। अंत में शिविर के मुख्य संयोजक लालचंद जैन ने सभी बच्चों को संबोधित करते हुए बच्चों के समक्ष पूरे दिन की दैनिक रूपरेखा और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी तथा बच्चों को शिविर के नियमों का कड़ाई से पालन करने और इस आवासीय प्रवास के दौरान पूर्ण अनुशासन में रहकर एक आदर्श जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

'आदर्श जीवनशैली की पाठशाला है उपधान'

पार्श्व सुशीलधाम में उपधान तप आखिरी चरण में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पार्श्व सशुीलधाम में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में चल रहे 47 दिवसीय उपधान तप अपने आखिरी चरण में पहुंच गया है। आचार्यश्री के निश्रा में बेंगलूरु के अलावा आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल आदि राज्यों से करीब 150 श्रद्धालुओं ने इस उपधान तप में भाग लिया तथा जीवन को अनुशासन से गढ़ने व संस्कारों से संवारने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस शिविर में बेंगलूरु के व्यापारी सम्यक नाहर ने बताया कि उपधान तप के बारे में उन्हें ज्यादा कुछ पता नहीं था, कामकाज से थोड़ा ब्रेक लेने के लिए उपधान तप करने आया था, पर उपधान करने के बाद जीवन को समझने का अलग नजरिया मिला और उपधान की हर एक क्रिया के व्यवहारिक व वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने धर्म के प्रति मेरी श्रद्धा को और मजबूत बना दिया। मुम्बई से आए सीए निर्मल शाह ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि उपधान तप में गृहस्थ जीवन से दूर रहकर साधु जैसा जीवन जीने का मौका मिला। उपधान तप को प्रत्यक्ष रूप से देखकर व सीमित संसाधनों में जीवन जीकर मन में संतोष व सुख की प्राप्ति हुई।

अहमदाबाद से आए विद्यार्थी जय कटारिया ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि छोटी सी उम्र में उपधान करने का मौका प्राप्त हुआ। उपधान कर समझ में आया कि स्कूली शिक्षा के साथ धर्म व नैतिक शिक्षा का भी जीवन में बहुत महत्त्व है। कोयम्बटूर की 11 वर्षीय युक्ति बैद ने बताया कि हम सभी को उपधान में जीवन विज्ञान, आहार विवेक, महापुरुष के जीवन चरित्र के बारे में जानकारी मिली। बेंगलूरु की केया जैन ने बताया कि वे अपनी मां के साथ उपधान करने आई थीं। उन्होंने कहा, संतों की कृपा से जीवन में धर्म का प्रवेश हुआ है जो कि मेरे जीवन का सबसे बड़ा परिवर्तन है।

बेंगलूरु के एक और व्यवसायी किशोर भंडारी ने कहा कि इस उपधाम में जीवन में अनुशासन आया है। करीब 47 दिन मोबाइल से दूर रहना व अपने जीवन के प्रति आत्ममंथन करना यह मेरे उपधान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ङ्कइस प्रकार से उपधान करने आए 9 वर्ष से 75 वर्ष के अनेक आराधकों ने अपने अनुभव साझा किया तथा सभी से निवेदन किया कि वे जीवन में एक बार उपधान तप अवश्य करें।

नेतृत्व जितना ऊर्जावान, प्रखर और प्रतिभावान होगा, भविष्य उतना ही उज्जवल होगा : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए अपने प्रवचन में कहा कि नेतृत्व जितना ऊर्जावान, प्रखर और प्रतिभावान होगा उतना ही स्वयं, समाज और देश का भविष्य उज्ज्वल होगा।

जो मानव मात्र सहित प्राणी मात्र के प्रति भी निस्वार्थ भाव से समर्पित होता है वह दुनिया में चलता फिरता तीर्थ हो जाता है। उन्होंने कहा कि सामान्य व्यक्ति गलती करे तो खुद का ही नुकसान है और नेतृत्व भटक जाए तो संपूर्ण संसार का नुकसान हो सकता है। नेतृत्व गाड़ी में ड्राइवर के समान होता है। मुनि कमलेशजी ने कहा कि एक नेतृत्व अमर बेल की भांति होता है जो पेड़ को सुखाकर अपना पोषण करता है, वैसे ही अपने विकास के लिए संगठन का शोषण करता है ताकि स्वार्थ की रोटियां सेंक सके। उसे धार्मिक तो क्या इंसान कहलाने का अधिकार भी नहीं होता है। राष्ट्रसंत ने कहा कि एक नेतृत्व नींव के पत्थर की तरह होता है जो बिना स्वार्थ और नाम के अपना बलिदान देकर विकास और उत्थान की कार्य को ऊंचाइयों पर पहुंचाता है।

विलासिता और स्वास्थ्य में डूब कर, एसी,कूलर में बैठकर विकास की बातें करना आत्मा और परमात्मा के साथ धोखा करने के समान है। अंत में संतश्री ने कहा कि नेतृत्व की भूख और वर्चस्व की लड़ाई ने अपने अस्तित्व और वजूद के लिए फूट डालकर कण-कण में बिखेर दिए, अपना साम्राज्य स्थापित करने के लिए दूसरों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए इतिहास कभी उसे माफ नहीं करेगा।

साधु-संतों के बिना समाज का कल्याण असंभव : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। शहर के हैदराबाद वर्षावास के लिए प्रस्थान कर मंगलवार को नंदिनी कल्याण मंडपम पहुंचे आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज राजनीति, खेल, मनोरंजन, टेक्नोलॉजी और आधुनिक शिक्षा प्रणाली का कितना भी बोलबाला हो, समाज में सकारात्मक परिवर्तन तो धर्म और साधु-संतों से ही आएंगा। हजार वर्ष की गुलामी के दुःख और संघर्षों के बाद भी भारत देश यदि आज उज्वल, समृद्ध, संस्कारी और सात्विक है तो उसमें धर्म तथा साधु-संतों की महती भूमिका है। स्वभावतः मनुष्य का मन पल-पल बदलता रहता है। वह बुराइयों की ओर बार बार फिसलता भी रहता है। उसे प्रशिक्षित कर सही रास्ते पर लाने में राजनीतिक व्यवस्थाएं, खेल या मनोरंजन के आयोजन, टेक्नोलॉजी का उपयोग अथवा आधुनिक शिक्षा प्रणाली कभी सफल नहीं हो सकती। धर्मतत्व और साधु-संतों की प्रेरणाएं ही वह संजीवनी हैं, जो मनुष्य के जीवन को सदैव परिष्कृत करती रहती हैं। भारतीय संस्कृति का हजारों वर्षों का इतिहास इस बात का संदेश देता है कि हर काल में धर्म और साधु-संतों ने मानवता की रक्षा की है।ङ्कजैनाचार्य ने कहा कि सदैव शुद्ध भावनाओं से धर्म का आराधन करते रहना चाहिए और साधु-संतों की संगति में जीवन की प्रगति करनी चाहिए। संतों की संगति वह लाइफ जैकेट हैं, जो हमें डूबने से बचाती हैं। शास्त्रों में लिखा है कि धर्म दीपक है, धर्म ही शरण है तथा कुछ साधु-संतों की शिथिलता के बावजूद संतत्व और साध्वाचार इस संसार के लिए सौभाग्य शकून हैं। संसार अधर्म से नहीं, धर्म से चलता है। धर्म और साधुत्व के पुण्यप्रताप से ही यह पृथ्वी टिकी है। मानकर चलिए कि ज्यों-ज्यों इस पृथ्वी से साधु-संत कम होते जाएंगे, त्यों-त्यों धर्म की हानि भी होती जाएगी और इसका गहरा दुष्प्रभाव मनुष्य के जीवन पर पड़ेगा। धर्म और साधु-संतों के बिना यह जीवन दुःखदायी होगा। ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि लोगों को सुख-सुविधाएं, धन, परिवार, मित्र, मनोरंजन और साधन-सामग्रियां बहुत मोहित करती हैं, लेकिन धर्म के प्रति रुचि और समर्पण के बिना मनुष्य का हित नहीं हो सकता। उसी प्रकार साधु-संतों के बिना समाज का कल्याण असंभव है। सामाजिक जागृति हो या कुरीतियों का परिष्कार, साधु-संत ही प्रेरणा की ज्योत बनकर उद्धार का कार्य करते हैं, इसीलिए भारतीय साहित्य और मनीषियों ने अलग-अलग रूपों में दोहराया है कि साधु-संत अपने घर पधारें, वही दीपावली और दशहरा है। पवित्रता से भरे साधु-संतों के दर्शन-वंदन से सदियों के पाप कट जाते हैं।

टाउन हॉल में आयोजित 'आनंदमय महोत्सव' में बही भक्ति की बयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन धार्मिक सेवा संघ ने गुरु दर्शन और तीर्थयात्रा के उपलक्ष्य में शहर के टाउन हॉल में 'आनंदमय महोत्सव-2026' का आयोजन किया जिसमें प्रख्यात गीतकार व गायक कलाकार हितेश मेहता ने मधुर भक्ति गीतों से उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम में तीर्थयात्रियों को किट वितरित किए गए और तीर्थ यात्रा के नियमों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता सप्तगिरि गौड़ा, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, इंदरचन्द नाहर, अशोक गुगलिया, किरण बोहरा, अरुण भंसाली, गौतमचंद धारीवाल, मनोज बाफना, उत्तमचंद कोठारी, कैलाश संकलेचा और संजय बैद आदि उपस्थित थे। अतिथियों ने तीर्थयात्रियों को किट वितरित किए। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

वकीलों ने मंगलवार को नई दिल्ली में हाई कोर्ट में बार काउंसिल ऑफ दिल्ली चुनाव में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

पिरेली कैलेंडर 2027 रहेगा भारत को सपर्मित, उसमें रघु राय की मूल कृतियों को मिलेगी जगह

नई दिल्ली/भाषा

पिरेली कैलेंडर 2027 में भारत को मुख्य विषय के रूप में दिखाया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध भारतीय फोटोग्राफर रघु राय और नॉर्वे के फोटोग्राफर सॉल्व सुंड्सबो की मौलिक कृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। पिरेली (कंपनी) ने यह घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि राय 'फोटोग्राफों की एक मौलिक शृंखला के माध्यम से' इस परियोजना को विकसित करने के लिए पिछले तीन महीनों से लगे हुए थे 'जो कैलेंडर के लिए उनकी विरासत और भारत के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाती है।'

'द कैल' नाम और ट्रेडमार्क वाला यह कैलेंडर राय की बेटी एवं प्रख्यात फोटोग्राफर अवनी राय की मदद से पूरा किया जाएगा, जिनकी कलाकृतियां आगामी संस्करण में भी प्रदर्शित होंगी ताकि 'शृंखला के लिए उनके पिता के इरादों को साकार किया जा सके।' अवनी राय ने एक बयान में कहा, '' मेरे पिता ने पिरेली के लिए जो काम किया, वह भारत को समर्पित था ।

उसमें भारत के लोगों और विविधता की समकालीन अभिव्यक्ति को साथ जोड़ा गया है जिससे वह हमेशा गहराई से आकर्षित रहे थे। मैं इसे अधूरा छोड़ने की कल्पना भी नहीं कर सकती।..'' उन्होंने कहा, ''..इसे आगे बढ़ाना मुझे उनके करीब रहने का, उनके एक अंश को अपने भीतर जीवित रखने का एक तरीका लगता है।'' रघु राय का 26 अप्रैल को निधन हो गया ।

उन्होंने भारतीय आधुनिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं-- 1972 का बांग्लादेश शरणार्थी संकट और 1984 की भोपाल गैस त्रासदी जुड़ी कुछ सबसे यादगार तस्वीरें खींची हैं। उन्होंने इंदिरा गांधी, दलाई लामा, मदर टेरेसा, सत्यजीत रे, हरिप्रसाद चौरसिया और बिस्मिल्लाह खान जैसी प्रमुख हस्तियों के चित्रों में भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक पहलुओं को कैद किया।

सुंड्सबो ने 2026 के कैलेंडर की फोटोग्राफी की थी। वह आगामी संस्करण में भी अपना योगदान देंगे और अवनी राय के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, पिरेली कैलेंडर में दोबारा योगदान देने का निमंत्रण मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। अवनी राय के साथ मिलकर ऐसा करना और उनके पिता की विरासत को श्रद्धांजलि देना मुझे बेहद खुशी दे रहा है।''

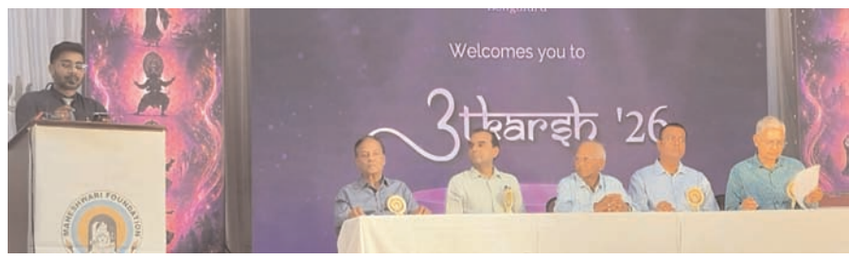

माहेश्वरी बॉयज हॉस्टल के वार्षिकोत्सव 'उत्कर्ष-26' में सांस्कृतिक कार्यक्रम की रही धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी फाउंडेशन द्वारा आरआर नगर में संचालित माहेश्वरी बॉयज हॉस्टल के रहवासियों ने वार्षिकोत्सव 'उत्कर्ष-26' का आयोजन रविवार को किया। इस मौके पर माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रह्लाद आगीवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने भगवान महेश के पूजन व दीप प्रज्वलन कर समारोह की शुरुआत की। प्रह्लाद आगीवाल ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि माहेश्वरी छात्रावास विद्यार्थियों के लिए केवल न रहने की जगह प्रदान करता है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के अवसर भी उपलब्ध कराता है।

छात्र सचिव कीर्तन तोषनीवाल ने हॉस्टल को छात्रों के लिए घर से दूर एक घर बताया और कहा कि हॉस्टल का वातावरण अत्यंत मैत्रीपूर्ण है। समारोह में छात्रों को खेल व शैक्षिणिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इसके उपरान्त विद्यार्थियों ने बहुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें भजन जैमिंग, लघु नाटिका, शिव तांडव पर आधारित नृत्य, हॉस्टल बैंड आदि की प्रस्तुति दी गई। दर्शकों ने हर प्रस्तुति का भरपूर आनंद उठाया। आर्यन लोढ़ा, शिवम बियानी, ध्रुव राठी व आदित्य इन्नानी ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**